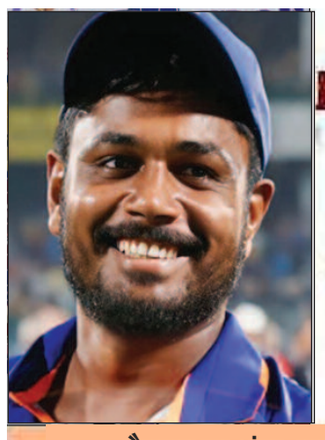

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सैमसन का अंदर-बाहर होते रहने पर छलका दर्द -पेज: 7

अभिनेत्री श्रीलीला ने एआई के दुरुपयोग पर जताई नाराजगी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 253 | सोमवार 22 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

पूर्वोत्तर के विकास को रफ्तार: पीएम मोदी आज करेंगे विशाल यूरिया प्लांट का शिलान्यास

नई दिल्ली :- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को असम के नाहरकटिया में नामरूप फर्टिलाइजर प्लांट में एक बड़ी नई यूरिया उत्पादन सुविधा की आधारशिला रखेंगे। यह पिछले कुछ दशकों में पूर्वोत्तर में शुरू की गई सबसे महत्वपूर्ण उर्वरक इंफ्रास्ट्रक्चर पहलों में से एक है। प्रस्तावित फर्टिलाइजर यूनिट से भारत की कृषि सप्लाई चेन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है प्रस्तावित फर्टिलाइजर यूनिट से भारत की कृषि सप्लाई चेन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है, साथ ही यह असम के औद्योगिक इकोसिस्टम को भी बड़ा बढ़ावा देगा। इस यूनिट की अनुमानित सालाना उत्पादन क्षमता 1.2 मिलियन मीट्रिक टन यूरिया है। यह परियोजना उर्वरक आयात पर निर्भरता घटाकर किसानों को समय पर यूरिया उपलब्ध कराने की दिशा में अहम पहल है इस प्रोजेक्ट को फर्टिलाइजर इंपोर्ट पर निर्भरता कम करने और पूरे क्षेत्र के किसानों के लिए यूरिया की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। असम सरकार के अनुसार, तीन साल के अंदर नई यूनिट का कंस्ट्रक्शन पूरा होने की उम्मीद है। एक बार चालू होने के बाद, यह फैसिलिटी नामरूप इंडस्ट्रियल बेल्ट और उसके आस-पास काफी डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रोजगार के मौके पैदा करेगी और सहायक इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देगी। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के कार्यक्रम की सुचारू व्यवस्था हेतु पुलिस, प्रशासन और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को तैयारियों का जायजा लिया और इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के लिए किए जा रहे सुरक्षा

इंतजामों का बारीकी से निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए असम पुलिस, जिला प्रशासन और लॉजिस्टिक्स, प्रोटोकॉल और इवेंट मैनेजमेंट के लिए जिम्मेदार विभागों के सीनियर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। समीक्षा के दौरान मंत्री पीयूष हजारिका और प्रशांत फुकन, साथ ही नाहरकटिया के विधायक तरंग गोगोई भी मौजूद रहे अपने दौरे के दौरान सीएम सरमा ने मुख्य सचिव रवि कोटा सहित राज्य सरकार के टॉप अधिकारियों के साथ एक को-ऑर्डिनेशन मीटिंग की अध्यक्षता की और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से पहले विभागों के बीच बिना किसी रुकावट के तालमेल की जरूरत पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान मंत्री पीयूष हजारिका और प्रशांत फुकन, साथ ही नाहरकटिया के विधायक तरंग गोगोई भी मौजूद रहे। पीएम मोदी सार्वजनिक सभा में फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट के रणनीतिक महत्व और पूर्वोत्तर में औद्योगिक-कृषि विकास तेज करने पर जोर देंगे कार्यक्रम के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी के प्रोजेक्ट साइट पर एक पब्लिक मीटिंग को संबोधित करने की उम्मीद है, जिसके दौरान वह फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट के रणनीतिक महत्व पर जोर दे सकते हैं और नॉर्थ-ईस्ट में इंडस्ट्रियल और एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट को तेज करने पर केंद्र के फोकस को दोहरा सकते हैं। पीएम मोदी की यात्रा इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास और संतुलित क्षेत्रीय रणनीति में असम की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करती है प्रधानमंत्री मोदी शनिवार दोपहर को असम पहुंचे हैं। इसी दिन गुवाहाटी पहुंचकर उन्होंने लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन किया।पीएम मोदी की यह यात्रा इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली ग्रोथ और संतुलित क्षेत्रीय विकास पर केंद्र सरकार के लगातार जोर को दिखाती है, जिसमें असम भारत की एक्ट ईस्ट और पूर्वोत्तर विकास रणनीति में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत बोले— एसआईआर का विरोध करने वाले हैं खुद कंफ्यूज

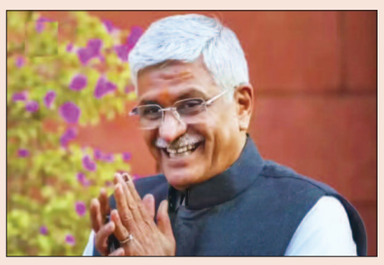

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को मुंबई से जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने गोवा में आयोजित हालिया कला उत्सव की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी यह अनूठा कला उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उत्सव में प्रस्तुत कार्यक्रमों ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया और कला प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि जो लोग आज एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, वे ही कुछ समय पहले इसकी मांग कर रहे थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विरोध करने वालों को खुद यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस बात का विरोध कर रहे हैं। केवल विपक्ष में होने के कारण विरोध करना ही उन्होंने अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी समझ ली है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो थोड़े दिन पहले तक एसआईआर लागू करने की मांग कर रहे थे और अब उसी प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि वे खुद कंफ्यूज हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार और चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं और हर कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। संसद में विपक्ष के लगातार विरोध और हंगामे को लेकर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कि संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है, जहां जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को धरातल पर उतारने को लेकर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोग संसद को चर्चा का मंच बनाने के बजाय अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का अखाड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही जनता के। सरकार की प्राथमिकता देश के विकास और आम नागरिकों के हितों को आगे बढ़ाने की है, जबकि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

ढाई दर्जन मामलों में वांछित एक लाख का ईनाम बदमाश सिराज अहमद एनकाउंटर में ढेर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। लगभग ढाई दर्जन अपराधों में वांछित और यूपी के सुल्तानपुर के बहुचर्चित अधिवक्ता आजाद हत्याकांड में डेढ़ साल से फरार चल रहे बदमाश सिराज अहमद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। उस पर एक लाख का इनाम रखा हुआ था। यह मुठभेड़ सहारनपुर के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई। इस दौरान गोली लगने से सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सिराज अहमद का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हत्या, हत्या के प्रयास और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी गंभीर धाराओं में करीब 30 मुकदमे दर्ज हैं। एसटीएफ और स्थानीय पुलिस अब उससे पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य फरार आरोपियों की जानकारी जुटा रही है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि सिराज अहमद के सहारनपुर में मुठभेड़ के दौरान घायल होने की जानकारी मिली है। पकड़ा गया बदमाश सिराज अहमद, सुल्तानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के लोलेपुर गांव का रहने वाला है। एसटीएफ टीम को शनिवार की रात सूचना मिली कि सिराज किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से होकर सहारनपुर जिले में मौजूद है। सूचना पर टीम ने गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की। खुद को घिरता देख सिराज ने टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। अस्पताल में मौत हो गई।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री बोले- धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, नया कानून बनाएंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार शाम एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि राज्य सरकार अन्य धर्मों का अपमान करने या गाली-गलौज करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा के प्रावधान हेतु विधानसभा सत्र में एक नया अधिनियम प्रस्तुत करेगी। साथ ही, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कानूनों में उचित संशोधन भी किए जाएंगे। हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित क्रिसमस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी धर्मों के प्रति आपसी सम्मान की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए धार्मिक घृणा फैलाने तथा हमलों की घटनाओं के खिलाफ सरकार पहले से ही सख्त कदम उठा रही है।

धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक समुदाय राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं के पूर्ण लाभार्थी हैं। उन्होंने ईसाई और मुस्लिम समुदायों से जुड़े कब्रिस्तानों के लंबित मुद्दों को शीघ्र हल करने का पूरा आश्वासन दिया। क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने ईसा मसीह के उन अमर उपदेशों की याद दिलाई, जिनमें प्रेम, शांति, क्षमा और मानवता की सेवा का संदेश निहित है। विशेष रूप से, उन्होंने नफरत करने वालों से भी प्रेम करने के दिव्य संदेश पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिसंबर माह को तेलंगाना तथा कांग्रेस पार्टी के लिए विशेष और चमत्कारिक बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि तेलंगाना राज्य का गठन तथा सोनिया गांधी का जन्मदिन दोनों इसी माह में पड़ते हैं। सरकार द्वारा लागू की जा रही प्रमुख योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने इंदिराम्मा आवास योजना, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा सुविधा तथा गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली जैसी पहलों की सराहना की। अंत में, रेवंत रेड्डी ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के तहत राज्य विकास, समृद्धि और जनकल्याण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा।

सीएम उमर ने कहा- भ्रम में मत रहिए मैं दिल्ली और कश्मीर में अलग-अलग बात नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने बयानों से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां एक ओर विपक्षी गठबंधन केंद्र सरकार पर पूर्ण रूप से हमलावर रुख अपनाना चाहता है, वहीं उमर अब्दुल्ला समय-समय पर केंद्र की सराहना करके उस दबाव को कम कर देते हैं। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर केंद्र सरकार द्वारा राज्य को दी जा रही फंडिंग की खुलकर तारीफ की है। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी यह सराहना किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं है और वे स्थान के अनुसार अपनी बात नहीं बदलते।

एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने अपनी नीति को बिल्कुल साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि वे उन नेताओं में से नहीं हैं जो राजनीति में लोगों को गुमराह करें। जहां केंद्र सरकार अच्छा कार्य करती है, वहां वे उसकी प्रशंसा करते हैं और जहां कमी दिखती है, वहां खुली आलोचना भी करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं किसी को खुश करने के लिए झूठ नहीं बोलता। मैं अपनी बात दिल्ली में भी वही कहता हूं जो कश्मीर में कहता हूं।

मुख्यमंत्री बनने से पहले और बाद में भी उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करने की मांग उठाते रहे हैं। इसी मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार की उदारता पर सवाल उठाया। उनका कहना है कि राज्य दर्जे की बहाली को छोड़कर अन्य सभी मामलों में केंद्र सरकार ने उन्हें कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, सच कहूं तो पूर्ण राज्य के मुद्दे को छोड़ दें तो केंद्र सरकार ने हमें शिकायत करने का कोई अवसर नहीं दिया। सिर्फ इसी एक मामले में वे आगे नहीं बढ़ रहे, वहां हमें केवल शिकायतें ही मिली हैं। यह पूरा विवाद उमर अब्दुल्ला के हालिया बयानों और साक्षात्कारों से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की उदार फंडिंग और सहयोग की प्रशंसा की थी। उनकी अपनी पार्टी के सहयोगी और कश्मीर के कुछ अन्य नेता उन पर केंद्र सरकार के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ का कहना है कि दिल्ली में वे केंद्र की तारीफ करते हैं और कश्मीर आकर आलोचना शुरू कर देते हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए उमर ने कहा कि वे कभी भी स्थान के आधार पर अपनी बात नहीं बदलते। वे हमेशा से केंद्र की उदार फंडिंग की सराहना करते आए हैं और जहां गलती है, वहां आलोचना भी करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि वे विधानसभा हो या सार्वजनिक

मंच, हर जगह एक ही बात कहते हैं। वे किसी के दबाव में या प्रसन्नता के लिए अपनी राय नहीं बदलते। उनकी यह स्पष्टवादिता उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा रही है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग करती है। राज्य के विकास और केंद्र से सहयोग के मामले में वे सकारात्मक रुख रखते हैं, लेकिन पूर्ण राज्य दर्जे की मांग पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं।

दिल्ली पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री से मुलाकात की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में हिजाब खींचने वाले मामले को लेकर देशभर में चल रही बयानबाजी और राजनीतिक चर्चा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली पहुंचे हैं। ऐसे हालात में उनके दिल्ली आगमन को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। दिल्ली में नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात होने की भी संभावना है। दिल्ली पहुंचने पर सीएम नीतीश कुमार का एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता ललन सिंह ने स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हो सकती है। हालांकि फिलहाल इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में बिहार से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में बिहार में हिजाब विवाद को लेकर देश भर में सियासी बयानबाजी तेज है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री का दिल्ली पहुंचना और प्रधानमंत्री से संभावित मुलाकात कई तरह के राजनीतिक संकेत दे रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में जिस जज ने सोनिया को राहत दी उसी को हटाने पर अड़ा लालू परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत के विशेष जज को लेकर इन दिनों राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि जिस जज ने हाल ही में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में बड़ी राहत दी थी, उसी जज को बदलने की मांग राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार की ओर से की गई। हालांकि अदालत ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका नामंजूर कर दी। राबड़ी देवी ने अपने और अपने परिवार के खिलाफ चल रहे मामलों को दूसरी अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि विशेष जज उनके मामलों में पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। अदालत ने साफ कहा कि केवल आरोपों के आधार पर किसी जज को बदलने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती और सुनवाई तय कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही आगे बढ़ेगी।

लालू परिवार के खिलाफ ये मामले लैंड फॉर जॉब्स और आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े हैं। इनमें राबड़ी देवी के अलावा लालू प्रसाद

यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्य आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसियों ने ट्रांसफर याचिका का कड़ा विरोध किया। एजेंसियों का कहना था कि यह याचिका दुर्भावना से दायर की गई है और इसका मकसद न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना है। यह भी दलील दी गई कि जब तक आरोप तय हुए और मामला सबूतों के चरण में पहुंचा, तब तक किसी तरह के पक्षपात का मुद्दा नहीं उठाया गया। इसी बीच, यही विशेष जज एक अन्य अहम फैसले को लेकर भी चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अदालत का कहना था कि यह शिकायत किसी अनुसूचित अपराध से जुड़ी एफआईआर पर आधारित नहीं है, इसलिए कानूनन टिकाऊ नहीं मानी जा सकती। इस आदेश को गांधी परिवार के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा गया। हालांकि इस फैसले से असंतुष्ट जांच एजेंसी ने अब हाईकोर्ट का रुख किया है। एजेंसी का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत नया अभियोजन मामला दर्ज किया गया है और ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। इस पर जल्द सुनवाई होने की संभावना है।

नेशनल हेराल्ड मामला एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़ा है, जो पहले नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करती थी। आरोप है कि 2010 में 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नाम की कंपनी ने एजेएल का कर्ज बहुत कम रकम में खरीद लिया और बाद में हजारों करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस कंपनी में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की बड़ी हिस्सेदारी बताई जाती है। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस लेनदेन के जरिए पार्टी फंड का दुरुपयोग कर संपत्तियों पर कब्जा किया गया। हाल ही में इससे जुड़ी सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

जी राम जी बिल की तुलना मनरेगा से करने का फैसला करने कांग्रेस ने बुलाई बैठक

एनडीए सदस्यों ने जताया विरोध, राष्ट्रपति की मंजूरी से पहले फंसा पेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनरेगा की जगह लेने वाले 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) बिल-2025 को लेकर सियासी टकराव और तेज हो गया है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने 29 दिसंबर को समिति की बैठक बुलाई है। इस बैठक में बीवी जी राम जी बिल पर चर्चा और इसकी तुलना मनरेगा से करने का फैसला किया है। इस कदम को प्रस्तावित कानून पर राजनीतिक लड़ाई को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है, जिस पर सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया है।

समिति के एजेंडे में ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से 'बीवी- जी राम जी बिल' पर प्रस्तुति और इसकी मनरेगा से तुलना शामिल है। कांग्रेस सांसद उलाका इस समिति के अध्यक्ष हैं। बीजेपी सांसदों को इस बात पर आपत्ति है कि यह बिल

संसद से पारित होने के बावजूद अभी राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है और गजट में अधिसूचना के बाद ही कानून बनेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद विवेक ठाकुर ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'विचारहीनता' को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब तक बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक इसे कानून नहीं माना जा सकता। बीजेपी के अन्य सांसदों का कहना है कि संसद से हाल ही में पारित किसी बिल पर समिति चर्चा नहीं कर सकती, बल्कि वह केवल उसके क्रियान्वयन की समीक्षा और सिफारिशें दे सकती है। एनडीए सदस्यों का आरोप है कि बिल की तुलना यूपीए काल की मनरेगा योजना से करना मुद्दे का जानबूझकर राजनीतिकरण है। उनका कहना है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस नए कानून की आलोचना करने के लिए एकजुट हैं। यह नया कानून उस पुराने कानून की जगह लेगा, जिसके तहत महात्मा गांधी के नाम पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चलाई जा रही थी, और अब योजना के नाम से गांधी जी का नाम हटा दिया गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस समिति का एजेंडा विवादों में आया हो। इससे पहले जुलाई में भूमि अधिग्रहण कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए समिति की बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर और अभिनेता प्रकाश राज को बुलाने के फैसले पर बीजेपी सदस्यों ने तीखा विरोध जताया था। मेधा पाटकर की मौजूदगी को लेकर बीजेपी सांसदों ने उन्हें 'विकास विरोधी' बताते हुए बैठक से वॉकआउट किया था, जिसके चलते बैठक बीच में ही समाप्त हो गई थी।

चीन भारत में ला सकता है बाढ़ या सूखा? ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर बना रहा ऐसा टाइम बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं कि चोर चोरी से जाएं.....लेकिन सीनाजोरी से नहीं, यह कहावत चीन पर सटीक बैठती है। क्योंकि चीन अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है। चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक बड़ी जलविद्युत परियोजना को बनने में जुटा है। इसके बारे में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भारत में नदी के निचले हिस्से में जल सुरक्षा, इकोसिस्टम और आजीविका को गंभीर रूप से खतरे में डाल सकता है। क्योंकि यह नदी ब्रह्मपुत्र के रूप में भारत में प्रवेश करती है, इसलिए नदी के ऊपरी हिस्से में किसी भी बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप को उन लाखों लोगों के लिए सीधा खतरा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित 168 अरब डॉलर की हाइड्रोपावर योजना बहुत बड़ी होगी। यह योजना करीब 2000 मीटर की खड़े ढलान का इस्तेमाल करके कई बांध, जलाशय, सुरंगें और अंडरग्राउंड पावर स्टेशन के द्वारा बिजली बनाएगी।

विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वे ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी घटनाओं पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत ने तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी भाग) के निचले इलाकों पर चीन के मेगा डैम प्रोजेक्ट शुरू करने की खबरों का संज्ञान लिया है।

विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि इस परियोजना को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन में इसकी तैयारियां कर रहा हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार इस इलाके में भारतीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है, सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखती है, इसमें चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के विकास की योजनाएं भी शामिल हैं, और अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाती है।

रिपोर्ट में विशेषज्ञों का कहना है कि ऊपरी हिस्से में (चीन में) कोई छेड़छाड़ या प्रोजेक्ट होने से नदी का प्राकृतिक बहाव बिगड़ सकता है। यहां तक कि छोटे-छोटे बदलाव भी असम और अरुणाचल प्रदेश के उपजाऊ बाढ़ वाले मैदानों, मछली पालन और भूजल रिचार्ज को प्रभावित कर सकते हैं। ये इलाके पहले से ही जलवायु परिवर्तन के तनाव से कमजोर हैं। वहीं चीन ने इन सभी चिंताओं को खारिज किया है। चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि निचले इलाकों वाले देशों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इस प्रोजेक्ट का तकनीकी स्तर इतना जटिल है कि इससे डर बढ़ गया है।

भारत ने भी तेज किया अपना प्रोजेक्ट

इन ऊपरी प्रोजेक्ट्स को देखते हुए भारत की सबसे बड़ी सरकारी हाइड्रोपावर कंपनी ने ब्रह्मपुत्र पर अपना 11,200 मेगावाट का प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ाया है, ताकि रणनीतिक और पानी की सुरक्षा न

खो जाए। विशेषज्ञ कहते हैं कि एक ही नदी पर दोनों देशों के बड़े प्रोजेक्ट जोखिम बढ़ा सकते हैं। बिना सहयोग और पारदर्शिता के, भारत-चीन के बीच बांध बनाने की होड़ से ब्रह्मपुत्र और इसके लाखों निर्भर लोगों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

संपादकीय

चूक से हादसे

लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का वह बयान तार्किक ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं। निश्चय ही यदि वाहन चालकों को सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाए और हम जिम्मेदारी-सावधानी से वाहन चलाएं तो हर साल हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। भारत में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले कम वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन सड़क हादसों के मामले में हम अव्वल हैं। विडंबना देखिए कि एक साल में देश के भीतर करीब पांच लाख सड़क हादसे दर्ज किए जाते हैं। बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो छोटे शहरों व भीतरी इलाकों में होते तो हैं, लेकिन दर्ज नहीं होते। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोग इन हादसों में मारे जाते हैं। लाखों लोग इन हादसों में घायल होते हैं। हजारों लोग ऐसे भी होते हैं जो हादसों के बाद जीवनपर्यंत सामान्य जीवन नहीं जी पाते हैं। दुखद स्थिति यह भी है कि मरने वालों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की होती है। एक आंकड़े के अनुसार मरने वालों में 66 फीसदी लोग 18 से 34 साल के बीच होते हैं। जो अपने परिवार के कमाने वाले व्यक्ति होते हैं। फलतः हादसे के बाद कई परिवार गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना भी है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि ओवर स्पीडिंग से 68 फीसदी से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं निर्धारित स्पीड से अधिक तेजी से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के चलते ही 68 फीसदी मौतें भी होती हैं। निश्चित रूप से ये हादसे व मौतें मानवीय व्यवहार की कमजोरी से जुड़े हैं। जहां देश में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे का तेजी से विस्तार हुआ है तो बेहतर सड़कों में वाहन चालकों की गति अनियंत्रित हो चली है। जो कालांतर सड़क हादसों की वजह बनती है। यह विडंबना है कि हम अकसर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। आज की युवा पीढ़ी हेलमेट पहनने से परहेज करती है। यह जानते हुए कि हादसों में सिर की चोट जानलेवा बन जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में हेलमेट न लगाने के कारण 54,568 लोगों की मौत हुई। वहीं सीट बेल्ट न लगाने से 16 हजार से अधिक यात्रियों की जान गई। इन हादसों की एक बड़ी वजह ऐसे अकुशल चालकों का होना भी था, जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। आंकड़ों के अनुसार दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार चालकों में 33,827 ऐसे थे जिनके पास लाइसेंस नहीं थे। देश में बड़ी संख्या ऐसे चालकों की होती है, जो मेडिकली फिट नहीं होते। इसके अलावा जुगाड़ से ले-देकर लाइसेंस बनाने वालों की भी कमी नहीं है।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी अराजकता भारत के लिए खतरा

मनोज कुमार अग्रवाल

शेख हसीना की सरकार के खिलाफ उपद्रव के बाद से बांग्लादेश पिछले करीब डेढ़ साल से अराजकता और धर्मांधता की आग में गंभीर रूप से झुलस रहा है। इन दिनों में शायद ही कोई ऐसा महीना होगा, जब यहां हिंसा ना भड़की हो। शेख हसीना की सरकार गिराने के बाद देश में शांति लाने का वादा करने वाली मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हिंसा रोकने में नाकाम रही। हसीना सरकार के विरोध में हिंसक आंदोलन चलाने वाले छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में एक बार फिर आग भड़क गई। इस दौरान ढाका के पास भालुका में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। युवक के शव को नग्न करके पेड़ से लटका कर आग लगा दी गई। मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है। उपद्रवियों ने देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम आलो के ऑफिस में भी घुसकर तोड़फोड़ और आग लगा दी। भारतीय राजनयिक परिसरों और उनके घरों पर हमले किए गए हैं। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास में तोड़?फोड़ की गई। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के ऑफिस को भी जला दिया गया है। भारत के पड़ोस में धधकती यह अराजकता की आग लगातर चुनौती बढ़ा रही है। देशभर में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। यहां इस समय एक अलग ही किस्म का पागलपन भी चल रहा है। इस पागलपन के तहत बांग्लादेश में एक वीडियो वायरल है, जिसमें सिराजुद्दौला साम्राज्य की फिर से स्थापना का ख्वाब दिखाया जा रहा है, जिसमें भारत के कई हिस्से शामिल हैं। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या बांग्लादेश वास्तव में सांप्रदायिक संक्रमण की ओर बढ़ रहा है या फिर सुनियोजित अस्थिरता के जाल में फंसता जा रहा है। दरअसल, मोहम्मद यूनुस असल में मोहम्मद अली जिन्ना की विचारधारा पर चल रहे हैं और उन्होंने बांग्लादेश में पाकिस्तान मॉडल लागू कर दिया। यह भारत के लिए भी चिंतनीय है। बांग्लादेश को लेकर भारत के सामने 1971 के बाद सबसे बड़ा रणनीतिक और राजनयिक संकट खड़ा हुआ है। यह चिंता विदेश मामलों पर संसद की समिति ने अपनी रिपोर्ट में जाहिर की है। कई मायनों में देखा जाए तो अभी बांग्लादेश में जिस तरह के हालात बन चुके हैं, उतनी बुरी स्थिति का सामना भारत को शायद बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन के दौरान भी नहीं करना पड़ा था। आपको बता दें बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में जो भी हुआ, उससे साफ है कि अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के हाथ से चीजें निकलती जा रही हैं। जिन कट्टरपंथियों को उन्होंने शुरू में बढ़ावा दिया था, अब वे ही उनके काबू में नहीं हैं। उनकी भारत विरोधी नीतियों ने दोनों देशों के रिश्तों को सबसे खराब दौर में पहुंचा दिया है। शेख हसीना के खिलाफ पिछले साल जुलाई में आंदोलन शुरू हुआ था। अगस्त में उन्हें सत्ता से हटाया गया और तब से ढाका का रुख भारत के खिलाफ बना हुआ है। मौजूदा घटनाक्रम उसी की कड़ी है, जहां पहले भारतीय राजदूत को तलब किया गया और फिर दूतावास तक आक्रामक मार्च निकाला गया। इन घटनाओं ने बांग्लादेश में मौजूद भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अंतरिम सरकार समस्या को संबोधित भी नहीं करना चाहती। होना तो यह चाहिए था कि भारत ने जब बांग्लादेश के उच्चायुक्त को बुलाकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं, तो ढाका से कोई आश्वासन भरा सकारात्मक संदेश आता। लेकिन, इसके उलट भारत विरोधी बयानबाजी और तेज हो गई। जिस तरह से पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर बयान दिए जा रहे हैं, उसे कोई भी संप्रभु देश बर्दाश्त नहीं कर सकता। यूनुस सरकार का अपनी नाकामियों का ठीकरा भारत पर फोड़ना हकीकत की अनदेखी है और इससे स्थिति और बिगड़ेगी। सच यही है कि हसीना विरोधी आंदोलन आगे चलकर कट्टरपंथी तत्वों के नियंत्रण में आ गया। इसका सबूत अगस्त 2024 के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुई हजारों हिंसक घटनाएं हैं। अगले साल फरवरी में चुनाव की घोषणा होने के बाद से अपराध और बढ़ा है। बांग्लादेश की अस्थिरता भारत पर सीधा असर डालती है और इस नाते उसकी चिंता स्वाभाविक है। बल्कि यूरोपीय यूनियन और अमेरिका भी बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघनों का मामला उठा चुके हैं। अंतरिम सरकार पर अपने ही देश के भीतर निष्पक्ष चुनाव कराने का जबरदस्त दबाव है। पिछले महीने शेख हसीना को जिए तर सुनवाई का मौका दिए बिना सजा सुनाई गई,आलोचना हो रही है। यूनुस सरकार के जुलाई चार्टर को लेकर भी मतभेद हैं। इस चार्टर के जरिये 2024 के आंदोलन को संवैधानिक मान्यता देनी है और संविधान में कई बदलाव किए जाने हैं।

राम वी. सुतार के हाथों में आकर पत्थर बोल उठते थे

ललित गर्ग

राम वी. सुतार का शतायु जीवन केवल वर्षों की गणना नहीं था, वह भारतीय मूर्ति-कला की सदियों लंबी साधना का सजीव विस्तार था। सौ वर्ष की उम्र में उनका जाना ऐसा है जैसे पत्थर बोलने वाली भाषा का कोई मौन हो जाना, जैसे हथौड़े और छैनी के बीच जन्म लेने वाली संवेदनाओं का विराम। वे उन विरले कलाकारों में थे जिनके हाथों में पत्थर, धातु और कांस्य केवल पदार्थ नहीं रहते थे, वे चेतना बन जाते थे। आकृतियां नहीं गढ़ी जाती थीं, जीवन प्रकट होता था। उनके स्पर्श से निर्जीव सजीव हो उठता था और शिल्प अपने भीतर मनुष्य की धड़कनें समेट लेता था। राम वी. सुतार केवल महान मूर्तिकार नहीं थे, वे एक दर्शन थे। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण था कि कला केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि मनुष्यता का विस्तार होती है। उन्होंने जब किसी महापुरुष की प्रतिमा गढ़ी, तो केवल चेहरे की रेखाएं नहीं उकेरीं, उस व्यक्तित्व के भीतर छिपे संघर्ष, संकल्प, करुणा और दृष्टि को आकार दिया। यही कारण है कि उनकी बनाई मूर्तियां देखने वाले को देखती हैं, मौन होकर भी संवाद करती हैं और समय की सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं।

स्टैचू ऑफ यूनिटी आज विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के रूप में खड़ी है, पर उसकी ऊंचाई केवल फीट और मीटर में नहीं मापी जानी चाहिए। उसमें सरदार पटेल की लौह इच्छाशक्ति के साथ-साथ राम वी. सुतार की तपस्या, धैर्य और अंतर्दृष्टि समाहित है। यह प्रतिमा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय मूर्ति-कला की सामर्थ्य का वैश्विक घोष है। संसद परिसर में स्थापित गांधी प्रतिमा हो या देश-विदेश में फैली अनगिनत मूर्तियां, हर जगह उनकी कला ने इतिहास को वर्तमान से जोड़ा है और वर्तमान को भविष्य के लिए अर्थवान बनाया है। उनके हाथों में पत्थर बोलने लगते थे, पर उनके हृदय में मनुष्य बोलता था। वे जानते थे कि किसी नेता, संत या विचारक की प्रतिमा बनाते समय केवल शारीरिक समानता पर्याप्त नहीं होती। वहां आत्मा की समानता चाहिए। इसलिए वे पहले उस व्यक्तित्व को पढ़ते थे, समझते थे, आत्मसात करते थे। उनकी साधना में अध्ययन, ध्यान और संवेदना का अद्भुत संगम था। शायद यही कारण था कि उनकी कारीगरी में बारीकी के साथ-साथ एक ऐसी जीवंतता थी जो दर्शक को भीतर तक छू लेती थी।

राम सुतार जी एक सौ एक साल के थे और उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र में धूलिया जिले के गोन्दुर गाँव में एक गरीब परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम राम वनजी सुतार था। वे भारत के सुप्रसिद्ध शिल्पकार थे। उनके द्वारा बनाई गईं महात्मा गांधी की प्रतिमाएं अब तक विश्व के तीन सौ से अधिक शहरों में लग चुकी हैं। उनके कलात्मक एवं अनूठे शिल्प साधना को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1999 में पद्मश्री और 2016 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। अक्टूबर 2018 में, सुतार को 2016 के सांस्कृतिक सद्भाव के लिए टैगोर पुरस्कार मिला। उनके पिता वनजी हंसराज जाति व कर्म से बढ़ई थे। राम सुतार का विवाह 1952 में प्रमिला के साथ हुआ। जिनसे उन्हें 1957 में एकमात्र पुत्र अनिल राम सुतार हुआ, जो पेशे से वास्तुकार हैं परन्तु अब वह भी नोएडा स्थित अपने पिता के स्टूडियो व कार्यशाला की देखरेख का कार्य करते हैं।

राम वी. सुतार का जीवन सादगी का पर्याय था। इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उनमें कोई दर्प नहीं था। वे शिल्प के साधक थे, शोर के नहीं। उनका कार्य बोलता था, वे स्वयं मौन में रहकर भी सब कुछ कह जाते थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्ची महानता प्रचार की मोहताज नहीं होती। वह अपने आप में पूर्ण होती है और समय उसे पहचान ही लेता है। उनकी कला में भारतीय परंपरा की गहरी जड़ें थीं, पर दृष्टि पूरी तरह आधुनिक और वैश्विक थी। वे अतीत से प्रेरणा लेते थे, वर्तमान की जरूरतों को समझते थे और भविष्य के लिए रूप गढ़ते थे। यही कारण है कि उनकी मूर्तियां किसी एक काल में बंद नहीं होतीं। वे हर युग में प्रासंगिक लगती हैं। उनमें इतिहास की गरिमा है, वर्तमान की चेतना है और भविष्य की उम्मीद भी।

राम सुतार अपने गुरु रामकृष्ण जोशी से प्रेरणा लेकर मुम्बई गये, जहाँ उन्होंने जे०जे०स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला लिया। 1953 में इसी स्कूल से मॉडलिंग में उन्होंने सर्वोच्च अंक अर्जित करते हुए मेयो गोल्ड मेडल हासिल किया। मॉडलर के रूप में औरंगाबाद के आर्कियोलोजी विभाग में रहते हुए राम सुतार ने 1954 से 1958 तक अजन्ता व एलोरा की प्राचीन गुफाओं में मूर्तियों के पुनर्स्थापन का कार्य किया। 1958-1959 में वह सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के दृश्य श्रव्य विभाग में तकनीकी सहायक भी रहे। 1959 में उन्होंने अपनी मर्जी से सरकारी नौकरी त्याग दी और पेशेवर मूर्तिकार बन गये। इन दिनों वह अपने परिवार के साथ नोएडा में निवास करते थे। राम सुतार ने वैसे तो बहुत-सी मूर्तियाँ बनायीं है, किन्तु उनमें से कुछ उल्लेखनीय मूर्तियों में 45 फुट ऊँची चम्बल देवी की मूर्ति गंगासागर बाँध, 17 फुट ऊँची मोहनदास कर्मचन्द गाँधी की मूर्ति गाँधीनगर, गुजरात, 21 फुट ऊँची महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति अमृतसर, 18 फुट ऊँची सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति संसद भवन, नई दिल्ली, 9 फुट ऊँची भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति जम्मू, भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा की आवक्ष प्रतिमा, ब्रह्म सरोवर में कृष्ण अर्जुन रथ स्मारक कांस्य प्रतिमा आदि हैं। गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्व राम सुतार के अद्भुत कला-कौशल का नमूना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है जिसने देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भारतीय कला परंपरा का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी बनाई मूर्तियां आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के महापुरुषों से जोड़ती रहेंगी। अनेक राजनेताओं, कलाकारों और विचारकों ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए स्वीकार किया कि राम वी. सुतार का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का अवसान है। पर शायद स्वयं राम वी. सुतार इस तरह की श्रद्धांजलियों से अधिक अपने काम में विश्वास रखते थे। उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान यही था कि कोई उनकी बनाई मूर्ति के सामने खड़ा होकर कुछ क्षण मौन में डूब जाए, कुछ सोचने लगे, कुछ महसूस करने लगे। उन्होंने जीवन को भी उतना ही जीवंत बनाया जितना अपनी कला को। उनका व्यक्तित्व सहज, सरल और आत्मीय था। वे जहां भी गए, वहां प्रेरणा का एक शांत स्रोत बन गए। राम सुतार का जीवन शिल्प एवं कला की पाठशाला था, जिसमें उन्होंने यह भी सिखाया कि कला केवल तकनीक नहीं, साधना है। छैनी चलाने से पहले मन को तराशना पड़ता है। दृष्टि को निर्मल करना पड़ता है। शायद यही कारण था कि उनकी शतायु यात्रा के अंतिम क्षण तक उनकी सृजनात्मक ऊर्जा बनी रही। उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी, कला के प्रति उनकी जिजीविषा कभी वृद्ध नहीं हुई। आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो यह विदाई वास्तव में विदाई नहीं है। वे अपनी मूर्तियों में, अपने शिल्प में, अपनी संवेदनाओं में सदा उपस्थित रहेंगे। जब भी संसद परिसर में गांधी की प्रतिमा के सामने कोई सिर झुकाएगा, जब भी स्टैचू ऑफ यूनिटी के साये में कोई राष्ट्र की एकता को महसूस करेगा, राम वी. सुतार वहां होंगे। पत्थर के भीतर धड़कते हृदय की तरह, मौन में बोलती चेतना की तरह। उनका जीवन इस बात की साक्षी है कि एक साधारण मनुष्य भी अपनी साधना, संकल्प और संवेदना के बल पर महामानव बन सकता है। उन्होंने पत्थर को जीवन दिया, पर उससे भी बड़ा कार्य उन्होंने यह किया कि जीवन को अर्थ दिया। भारतीय मूर्ति-कला के इस शीर्ष पुरुष को विनम्र श्रद्धांजलि। उनका जाना हमें शून्य नहीं देता, बल्कि एक विराट उत्तरदायित्व सौंपता है कि हम कला, संस्कृति और मनुष्यता के इस दीप को बुझने न दें।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दिल्ली प्रदूषण : पर्यावरण नहीं स्वास्थ्य की समस्या बन चुका है

दिल्ली की हवा अब केवल प्रदूषित नहीं है, वह हमारे समय की सबसे बड़ी चुपचाप फैलती हुई आपदा बन चुकी है। यह संकट अचानक नहीं आया, बल्कि वर्षों की लापरवाही, गलत प्राथमिकताओं और आधे-अधूरे समाधानों का नतीजा है। हर सर्दी में जब स्मॉग की मोटी परत राजधानी को ढक लेती है, तब हम कुछ दिनों के लिए चिंतित होते हैं, फिर हालात सामान्य दिखने लगते हैं और हम मान लेते हैं कि समस्या टल गई। लेकिन सच यह है कि समस्या कहीं नहीं जाती, वह हमारे फेफड़ों में जमा होती रहती है।

दिल्ली के प्रदूषण को समझने के लिए सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि इसका कोई एक कारण नहीं है। यह कई स्रोतों से पैदा हुआ एक सम्मिलित संकट है। वाहनों की बात करें तो दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत वाहनों की संख्या 1.2 करोड़ से अधिक है। इनमें से बड़ी संख्या डीजल आधारित है, जो PM2.5 और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे घातक प्रदूषक छोड़ती है। इसके अलावा रोजाना लगभग 10-12 लाख वाहन दिल्ली में बाहर से प्रवेश करते हैं। यह संख्या किसी भी महानगर के लिए असामान्य है और यही वजह है कि सड़क परिवहन दिल्ली के कुल प्रदूषण में लगभग 30 प्रतिशत तक योगदान देता है।

निर्माण गतिविधियां दूसरा बड़ा कारण हैं। दिल्ली एक ऐसा शहर बन चुका है जो लगातार खुद को तोड़कर फिर से बना रहा होता है। फ्लाईओवर, मेट्रो विस्तार, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और व्यावसायिक परिसरों के कारण उड़ने वाली धूल ढट10 का प्रमुख स्रोत है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शहरी धूल दिल्ली के प्रदूषण में लगभग 15-20 प्रतिशत तक योगदान देती है। नियमों के बावजूद अधिकांश निर्माण स्थल खुले रहते हैं, जहां न तो पानी का छिड़काव नियमित होता है और न ही धूल रोकने की आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल।

इस क्रम में औद्योगिक प्रदूषण को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में हजारों छोटी औद्योगिक इकाइयां हैं, जो कोयला, फर्नेस ऑयल और अन्य प्रदूषणकारी ईंधनों का उपयोग करती हैं। ईंट भट्टे, प्लास्टिक जलाना, अवैध फैक्ट्रियां और कचरे का खुले में दहन—ये सब मिलकर हवा को और जहरीला बनाते हैं। विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया है कि उद्योग और ऊर्जा उत्पादन से जुड़े स्रोत दिल्ली के प्रदूषण में लगभग 15 प्रतिशत तक हिस्सेदारी रखते हैं।

इन सबके बीच पराली जलाने का मुद्दा हर साल चर्चा के केंद्र में आता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर के दौरान दिल्ली के प्रदूषण में पराली का योगदान औसतन 20 से 35 प्रतिशत के बीच रहता है। कुछ चरम

दिनों में, जब हवा की दिशा प्रतिकूल होती है, यह योगदान 40 प्रतिशत तक भी पहुंच जाता है। लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सच है कि साल के बाकी महीनों में, जब पराली नहीं जलाई जाती, तब भी दिल्ली की हवा खराब ही रहती है। इससे साफ है कि पराली एक अहम कारण है, लेकिन उसे ही पूरे संकट का दोषी ठहराना एक आसान, लेकिन अधूरा तर्क है। इन तमाम कारणों का नतीजा यह है कि दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में लगातार शीर्ष पर बनी हुई है।

नवंबर2024 में तो दिल्ली के कुछ इलाकों का ० 1000 के पार चला गया था जबकि इसका सामान्य मानक शून्य से 50 के बीच होता है। यह कोई नजरंदाज करने वाला तथ्य नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि राजधानी की हवा विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कई गुना ज्यादा जहरीली हो चुकी है। हल्ड के अनुसार ढट2.5 का सुरक्षित स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जबकि दिल्ली में सर्दियों के दौरान यह स्तर 150 से 300 तक पहुंच जाता है। यानी सुरक्षित सीमा से 30 से 60 गुना अधिक।

इस प्रदूषण का असर अब आंकड़ों से आगे बढ़कर इंसानी शरीर पर साफ दिखने लगा है। दिल्ली में हर साल लाखों लोग सांस संबंधी बीमारियों के लिए इलाज करवाते हैं। हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामलों में भी प्रदूषण की भूमिका को अब वैज्ञानिक रूप से स्वीकार किया जा चुका है। लेकिन सबसे भयावह असर बच्चों पर पड़ रहा है। हालिया मेडिकल रिसर्च में यह सामने आया है कि दिल्ली के कई बच्चों के फेफड़ों में ऐसे पैच देखे गए हैं, जो कोविड के बाद दिखाई देने वाले फेफड़ों के नुकसान से मिलते-जुलते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां कारण संक्रमण नहीं, बल्कि लगातार जहरीली हवा में सांस लेना है।

बच्चों के शरीर पर इसका असर इसलिए भी ज्यादा गंभीर है क्योंकि उनके फेफड़े और प्रतिरक्षा तंत्र अभी विकसित हो रहे होते हैं। शोध बताते हैं कि प्रदूषित हवा में पले-बढ़े बच्चों की फेफड़ों की क्षमता सामान्य बच्चों की तुलना में 10झ20 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इसका असर केवल उनके स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि उनकी सीखने की क्षमता, शारीरिक विकास और भविष्य की उत्पादकता पर भी पड़ता है। यह एक ऐसा नुकसान है जिसकी भरपाई वर्षों बाद भी मुश्किल होती है। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि शोध आधारित वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक उपायों से इस गम्भीर संकट का सामना किया जाए।

हालांकि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। ग्रैप के तहत आपातकालीन प्रतिबंध, ऑड-ईवन योजना, स्कूलों का अस्थायी बंद होना, निर्माण कार्यों पर रोक और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा—ये सभी कदम दिखाते हैं कि समस्या को स्वीकार किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये उपाय पर्याप्त हैं। सच तो यह है कि ये अधिकतर प्रतिक्रियात्मक कदम हैं, न कि निवारक क्योंकि सालों से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।

इन परिस्थितियों में हमें दुनिया के उन शहरों से सीखने की जरूरत है जिन्होंने कभी ऐसे ही संकट का सामना किया था। लंदन का ग्रेट स्मॉग (1952) एक ऐतिहासिक उदाहरण है, जिसने वहां की सरकार को क्लीन एयर एक्ट लाने पर मजबूर किया। आज लंदन की हवा दिल्ली से कहीं बेहतर है क्योंकि वहां निजी वाहनों पर भारी कंजेशन चार्ज लगाया गया और सार्वजनिक परिवहन को विश्व स्तरीय बनाया गया। इसी तरह, बीजिंग ने पिछले एक दशक में अपने प्रदूषण स्तर को 40% तक कम किया है। उन्होंने कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को शहर से बाहर किया, इलेक्ट्रिक वाहनों को अनिवार्य स्तर तक बढ़ावा दिया और रीयल-टाइम सख्त निगरानी प्रणाली लागू की। दिल्ली भी इन उपायों पर काम करके प्रदूषण की समस्या से निजात पा सकती है।

इसके साथ ही, शहरी हरित क्षेत्र भी बढ़ाने होंगे। रिसर्च यह बताती है कि यदि किसी शहर के कुल क्षेत्रफल का 20झ25 प्रतिशत हिस्सा हरित क्षेत्र हो, तो प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आ सकती है। दिल्ली इस मानक से काफी पीछे है।

निर्माण और उद्योग के क्षेत्र में तकनीक आधारित सख्त निगरानी की जरूरत है। रियल-टाइम मॉनिटरिंग, स्वचालित जुमार्ना प्रणाली और पारदर्शी डेटा सार्वजनिक करना ऐसे कदम हैं, जो केवल कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर असर दिखा सकते हैं। पराली के मामले में भी किसानों को दोषी ठहराने के बजाय पराली को ऊर्जा में परिवर्तित करके उसे समाधान का हिस्सा बनाना होगा। अनेक वैज्ञानिक विकल्प मौजूद हैं, लेकिन जब तक उन्हें व्यवहारिक रूप से अपनाया नहीं जाएगा, तब तक समस्या बनी रहेगी।

इस संकट की गंभीरता को जनसंख्या के संदर्भ में भी देखना जरूरी है। क्योंकि दिल्ली-एनसीआर की आबादी लगभग 4 से 5 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 3 से 4प्रतिशत हिस्सा है। यानी देश का हर पच्चीसवां नागरिक इस क्षेत्र में रहता है। यदि इतनी बड़ी आबादी लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेती रहे, तो इसका असर केवल स्थानीय नहीं रहेगा। यह देश की स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव डालेगा, कार्यबल की उत्पादकता घटाएगा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को कमजोर करेगा।

इन परिस्थितियों में दिल्ली का प्रदूषण अब मात्र पर्यावरण का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता का भी सवाल बन चुका है। यह उस बच्चे की पीड़ा बन चुका है जो मास्क पहनकर स्कूल जाता है, उस बुजुर्ग की बेबसी बन चुका है जो सुबह की सैर छोड़ने के लिए मजबूर है, और उस परिवार की मजबूरी बन चुका है जो खिड़कियां बंद करके भी साफ हवा नहीं पा सकता। अगर आज भी हम इसे केवल मौसमी समस्या मानते रहे, तो इतिहास हमें उस पीढ़ी के रूप में याद रखेगा जिसने सब कुछ देखा, सब कुछ जाना, लेकिन फिर भी कुछ नहीं बदला।

(लेखिका पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य हैं।)

चिंतन-मनन

अहं भाव न पालें

एक बार देशभक्त वीर शिवाजी सज्जनगढ़ का किला बनवा रहे थे। हजारों मजदूर वहां काम करते थे। एक दिन शिवाजी किले को देखने गए। यत्र की तरह उनको काम करते देखकर शिवाजी के मन में अहं आ गया। वे सोचने लगे- इन सबकी आजीविका मेरे द्वारा चलती है! इतने में उनके गुरू समर्थ रामदास स्वामी वहां पहुंच गए। विशिष्ट ज्ञान के द्वारा उन्होंने शिवाजी के मन की बात जान ली और निश्चय किया कि इसको प्रतिबोध देना जरूरी हो गया है। वास्तव में गुरू वे ही होते हैं, जो समय पर अनुयायियों को गिरने से बचा लें। स्वामी रामदास ने वहां काम करने वालों को आदेश दिया कि एक बड़ी चट्टान को तोड़ो। उनकी आज्ञा से चट्टान तोड़ी गई। भीतर पानी और मेढक निकले। रामदास ने पूछा - शिवाजी ! इनका लालन-पालन कौन करता है?

शिवाजी - इनका पोषण प्रकृति से होता है, करता कोई नहीं।

रामदासजी- और इन मजदूरों का जीवन किससे चलता है?

शिवाजी ने गुरू के पैर पकड़ लिए और बोले- गुरुदेव! आपने मुझे बचा लिया। आपने मेरे अभिमान को चूर-चूर कर सही रास्ता दिखा दिया। ये सब अपने पुरूषार्थ से जीते हैं। मेरा अहं झूठा था, मैं किसका पालन कर सकता हूं? कहने का अर्थ यह है कि मनुष्य प्रामाणिकता और चरित्र-निष्ठा से काम करे, पर मिथ्या अभिमान न करे। कुछ लोग सोचते हैं-हम ही सब कुछ करने वाले हैं। हम जमीन-आसमान एक कर देंगे। यही अहं भाव व्यक्ति को आगे नहीं बढ़ने देता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

गजरौला पुलिस ने फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गजरौला (सब का सपना):- पुलिस द्वारा बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसने की धमकी देकर एवं जबरन रुपए वसूली करने वाले गैंग का एक नफर वांछित अभियुक्त ड्10000 की नगदी के साथ गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि उक्त मामले में पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय के समक्ष पेश किया था। रविवार को गजरौला पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उक्त घटना को कारित के मामले में फरार चल रहे एक नफर वांछित अभियुक्त नवीन पुत्र रोहताश निवासी मोहल्ला शिवपुरी कस्बा में थाना गजरौला जिला अमरोहा 34 को भानपुर फटाक के निकट सर्विस रोड राधा स्वामी सत्संग भवन के पास से ड्10000 की नगदी के सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक अभी इस मामले में एक अभियुक्त उ.नि. नितिन कुमार वर्मा

हाल तैनाती थाना सिंभावली जनपद हापुड़ फरार है जिनकी शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी। इसके अलावा पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त नवीन उपरोक्त ने बताया कि दरोगा नितिन थाना सिम्भावली में तैनात है तथा काफी दिनो से हमारी दोस्ती है तथा घर आना जाना है। वहाँ उनकी व मेरी पहचान खालिद से हुए तो हम लोगो को पैसे की जरुरत थी तो खालिद ने बताया कि मेरी पहचान में एक नईम नाम का व्यक्ति है। अगर उस पर किसी महिला के साथ गलत काम करने का आरोप लगायेगे तो हमे काफी रुपये मिल जायेगे तो मैने नितिन और खालिद प्लान बना लिया तो 11 दिसंबर 25 को नितिन ने अपने थाने से एक होमगार्ड को साथ लेकर अपनी कार से पुलिस लाईन पहुँचे, वहां पहुँच कर नितिन ने होमगार्ड के फोन से नईम को प्लाट देखने के बहाने बुला लिया जब नईम आ गया, तो दरोगा ने नईम से कहा कि तेरे खिलाफ एक महिला ने बलात्कार करने का प्रार्थना पत्र दिया है तो दरोगा व होम गार्ड लाखन ने नईम को गाडी में बैठा लिया गजरौला थाने के बाहर ले आये फिर कार से दरोगा उतर गये थे मै भी उनके पास पहुँचा और थाने के अन्दर घूमने आ गये कुछ देर बात खालिद ने अपने गाँव की कौशर महिला को बुला लिया तथा मुंह पर कपडा बधवाकर दरोगा अपनी कार के पास ले गये कोशर ने कार के अन्दर बैठते ही कहा कि यही वह व्यक्ति है जिसने मेरे साथ बलात्कार किया इसको गोली मार दो इतना कहकर कोशर चली गई मे,दरोगा जी व होमगार्ड दीपक के आफिस नईम को लेकर पहुँचे वहां पहुँचकर होमगार्ड के फोन से नईम के घर बालो को फोन मिला तो नईम के घर वाले 1:25 लाख रुपए लेकर आये फिर नईम को हमने रुपए लेकर उसके परिजनो को सौंप दिया ।इसके बाद दरोगा ने मुझे 15 हजार रुपए, खालिद को 10 हजार कोशर को 5 हजार दीपक को 5 हजार रुपए दिये बाकी पैसे दरोगा ने अपने पास रख लिये फिर हम सब लोग अपने झ 2 घर चले गये अगले दिन जब हमे पता चला कि हमारे खिलाफ मुकदमा लिख गया है तो मै व नितिन अलग झ 2 जगहो पर जाकर छुपते रहे तथा अपना फोन बन्द कर दिया आज मै अपने बच्चो से मिलने आया था तो आपने पकड लिया । ये जो रुपए है ये वही घटना के वचे रुपए है । बाकी रुपए हमारे किराये भाड़े में खर्च हो गये । फिलहाल गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

धनौरा समाधान दिवस में घायल पिता को कंधे पर लेकर पहुंचा बेटा,लगाई न्याय की गुहार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में आयोजित समाधान दिवस में एक बेटा अपने घायल पिता को कंधे पर लेकर पहुंचा और अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई। इसके बाद वहां उपस्थित अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। बता दें कि शनिवार को थाना मंडी धनौरा में आयोजित समाधान दिवस में थाना क्षेत्र के गांव डींगरा निवासी दिलीप अपने घायल पिता को अपने कंधे पर लेकर समाधान दिवस में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पुलिस की कथित निष्क्रियता के खिलाफ न्याय की गुहार लगाई और आरोपियों पर कार्यवाही की मांग की। इस दृश्य को देखकर वहां उपस्थित लोग भी भावुक हो गए, दिलीप ने अधिकारियों को बताया कि 2 दिसंबर को उसके पिता के साथ गांव में मारपीट की गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे, घटना के बाद परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित

परिवार का आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट तो दर्ज कर ली लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। इसके अलावा उनका कहना है कि आरोपी खुलेआम जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं जिससे पूरा परिवार भयभीत है ।दिलीप लगातार थाने के चक्कर लगा रहा है लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है। समाधान दिवस में जब दिलीप ने अपने पिता की व्यथा अधिकारियों के सामने रखी तो उनके पिता की आंखों से आंसू छलक पड़े ,पीड़ित ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने और परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से देखते हुए जांच और आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

जिले में शुरू हुई दो दिवसीय किसान पाठशाला, 214 ग्राम पंचायतों में होगी आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में कृषि विभाग द्वारा किसानों के लिए दो दिवसीय 'किसान पाठशाला' का आयोजन शुरू हो गया है। उप कृषि निदेशक डॉ. रामप्रवेश ने बताया कि इस विशेष कार्यक्रम के तहत जिले की 214 ग्राम पंचायतों में किसान पाठशाला आयोजित की जा रहीहैं। इन पाठशालाओं में कृषि विभाग के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी शामिल होंगे ।किसान पाठशाला में समसामयिक कृषि तकनीकों, रबी सीजन की फसलों के उत्पादन बढ़ाने के तरीकों, उन्नत खेती की विधियों और फसल सुरक्षा

पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही किसानों को खेत रजिस्टर (फार्म रजिस्टर) भरने की प्रक्रिया, मिट्टी की जांच, जैविक खेती, जल संरक्षण और उर्वरक प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी जाएंगी ।इस दौरान कृषि विभाग की सभी सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि यंत्र सब्सिडी आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। अधिकारी किसानों के सवालों का समाधान करेंगे और उन्हें योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।डॉ. रामप्रवेश ने सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे अपनी ग्राम पंचायत में आयोजित होने वाली किसान पाठशाला में अवश्य शामिल हों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों की आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमरोहा शहर में आज चलाया जाएगा 'अतिक्रमण हटाओ' अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका परिषद और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से शहर में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉक्टर बृजेश कुमार ने नगर की जनता को सूचित किया है कि आज (सोमवार) को सुबह से शाम तक 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' चलाया जाएगा। यह अभियान नगर के प्रमुख बाजारों में चलाया जाएगा, जिसमें बटवाल स्थित सन प्लाजा से शुरू होकर बाजार बटवाल, कोट, कोट चौराहा, बाजार शफात पोता, बाजार गुजरी,

बसावन गंज, कोतवाली, बड़ा बाजार, मंडी चौब चौराहा, जे.एस. कालेज चौराहा होते हुए स्टेशन रोड तक का क्षेत्र शामिल है। नगर पालिका ने सभी दुकानदारों, भवन स्वामियों और व्यापारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने मकान या दुकान के बाहर कोई भी सामान न रखें। नाले-नाली पर जाल के अलावा कोई भी वस्तु नहीं रखी जाए। सभी सामान दुकान या मकान के अंदर ही रखा जाए। अभियान के दौरान यदि कहीं भी अतिक्रमण पाया गया तो सामान जब्त कर लिया जाएगा और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सरकारी नालियों, नालियों और मार्गों पर बने अवैध स्थायी अतिक्रमणों को तोड़ा जाएगा ।नगर पालिका और पुलिस ने सभी से सहयोग की अपील की है ताकि शहर में यातायात सुगम रहे और सार्वजनिक स्थलों पर अव्यवस्था न फैले। यह अभियान शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सर्विस मतदाताओं की निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण: तिथियां संशोधित

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) /उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने सर्व साधारण को सूचित करते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01जनवरी 2026 के आधार पर सर्विस मतदाताओं से सम्बन्धित निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से संबंधित कार्यक्रम की तिथियों को संशोधित कर दिया है।

आयोग द्वारा घोषित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार सर्विस मतदाताओं से संबंधित निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग का आलेख्य प्रकाशन 31 दिसंबर 2025 को किया जायेगा तथा अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी 2026 को किया जाएगा। अतः जनपद की चारों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (यथा 39-धनौरा (अ०जा०), 40-नौगावां सादात, 41-अमरोहा एवं 42-हसनपुर) के संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारिया (उप जिलाधिकारी) तद्नुसार अग्रतर कार्रवाई कराना सुनिश्चित करेंगे।

हसनपुर के जंगल में छापामारी पर हैरान रह गए पुलिसवाले, कोहरे में धधक रही थी अवैध शराब की भट्ठी

हसनपुर। रविवार सुबह आबकारी विभाग की टीम ने गंगा तटबंध किनारे के गांव दियावली खालसा के जंगल में कोहरे के दौरान छापेमारी की। यहां एक खेत में अवैध शराब की भट्ठी दहकती हुई मिली। हालांकि, आरोपित आबकारी टीम को देखकर मौके से फरार हो गए। मौके से 25 लीटर अवैध शराब तथा शराब बनाने के उपकरण बरामद हुए हैं। उधर शराब बनाने के लिए खेत में छिपाकर रखा 400 लीटर लहन भी टीम ने

बरामद करके नष्ट कर दिया है। कोहरे में जंगल में दहकती मिली अवैध शराब की भट्ठी सुबह सवेरे ही घने कोहरे में आबकारी टीम के छापेमारी करने से अवैध शराब बनाने वाले धंधाखोरों में हलचल मच गई है। आबकारी निरीक्षक रामकुमार यादव ने बताया कि दियावली खालसा में अवैध शराब बनाने की सूचना पर छापेमारी की गई है। अज्ञात आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित का पता लगाया जा रहा है। इस मौके पर टीम में कांस्टेबल अनीस अहमद, राजेंद्र सिंह, अनिल कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

जिले में डग्गामार वाहनों पर कार्यवाही करने के लिए जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में अवैध रूप से संचालित होने वाले डग्गामार वाहनों पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर ऐसे वाहनों के खिलाफ अब लगातार कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रशासन का कहना है कि दिल्ली से अमरोहा आने-जाने वाली कई निजी बसें बिना वैध परमिट और रूट की अनुमति के संचालित हो रही हैं, जिससे नियमित बस सेवाओं को नुकसान हो रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि आम जनता से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि ये बसें न केवल अवैध रूप से चल रही हैं,

बल्कि इनमें ओवरलोडिंग, अत्यधिक किराया वसूली और यात्रियों के साथ बदसलूकी के मामले भी सामने आए हैं। कई बार इन बसों में अवैध सामान भी लादे जाने की जानकारी मिली है ।इसके मद्देनजर जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग, पुलिस और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि डग्गामार वाहनों के खिलाफ नियमित चेकिंग अभियान चलाया जाए। नंबर प्लेट जब्त करने, चालान काटने और वाहन सीज करने जैसी कार्रवाई तेज की जाए। साथ ही यात्रियों से अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत और सुरक्षित बसों का ही उपयोग करें ।प्रशासन का दावा है कि इस अभियान से न केवल नियमों का पालन सुनिश्चित होगा, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा भी बढ़ेगी। जिले में अब डग्गामार वाहनों की मनमानी पर पूर्ण विराम लगाने की तैयारी है।

नीलगाय की टक्कर से साले की मौत, जीजा घायल; शादी की खरीदारी कर लौट रहे थे बाइक सवार

अमरोहा। खरीदारी कर घर वापस लौट रहे बाइक सवार जीजा-साले को नीलगाय ने टक्कर मार दी। हादसे में साले की मौके पर ही मौत हो गई तथा जीजा घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं मृतक के स्वजन बगैर कार्रवाई शव को घर ले गए हैं। यह हादसा शनिवार रात लगभग नौ बजे डिडौली कोतवाली क्षेत्र में अमरोहा-पाकबड़ा रोड पर गांव ब्राह्मणों वाली मंढैया के पास हुआ। बाइक से टकराई नीलगाय, साले की मौत जीजा घायल क्षेत्र के गांव गंगदासपुर निवासी शमशाद के भाई फैजान की शादी एक सप्ताह बाद होनी थी। शादी की तैयारियों को

लेकर घर में पुताई का काम चल रहा था। इन दिनों शमशाद का साला शहादत निवासी गांव ढकिया थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद भी गंगदासपुर आया हुआ था। शनिवार देर शाम शमशाद व शहादत बाइक पर सवार होकर सामान खरीदने पांयती कलां गए थे। कैलसा-पाकबड़ा रोड पर शनिवार रात हुआ हादसा रात को सामान खरीद कर जीजा-साला घर वापस लौट रहे थे। शहाहत बाइक चला रहा था। उसने हेलमेट भी नहीं लगाया था। जब दो अमरोहा पाकबड़ा मार्ग पर गांव ब्राह्मणों वाली मढ़ैया के पास पहुंचे तो अचानक खेत से निकल कर सड़क पर नीलगाय आ गई। बाइक को टक्कर मारती हुई नीलगाय आगे निकल गई। दोनो बाइक सवार गिर कर घायल हो गए। सिर में चोट लगने से शहादत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शमशाद घायल हो गए। बगैर कार्रवाई शव घर ले गए स्वजन राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्वजन को जानकारी दी। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
वहीं शहादत के स्वजन बगैर किकी कार्रवाई के शव को ढकिया ले गए तथा सपुर्द-ए-खाक कर दिया है। प्रभारी निरीक्षक हरीशवर्धन सिंह ने बताया कि इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

दिल्ली LB शास्त्री क्रिकेट क्लब ने 156 रनो से जीत की हासिल

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मिनी स्टेडियम अमरोहा मे मास्टर भूरे खान एंड शेरू परवेज मेमोरियल सद्भावना कप ऑल इंडिया क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन और युथ क्रिकेट क्लब के तत्वाधान मे कराया जा रहा है आज इस टूनार्मेंट का आठवा मैच एलबी शास्त्री क्रिकेट क्लब दिल्ली और यूथ क्रिकेट क्लब अमरोहा के बीच खेला गया, यूथ क्रिकेट क्लब अमरोहा ने टॉस जीता और पहले बोलिंग करने का फैसला किया. पहले बेटिंग करते हुए एलबी शास्त्री क्रिकेट ने निर्धारित 30 ओवर्स मै 5 विकेट पर 258 रनो का विशाल

स्कोर खड़ा किया एलबी क्रिकेट क्लब कि तरफ से दीपेश बालियान ने 92 और अनंत वीर सिंह ने 65 रनो का योगदान दिया यूथ क्रिकेट क्लब कि तरफ से अनस ने 2 ,और बॉबी पाशा ने 2 विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूथ क्रिकेट क्लब मात्र 24.2 ओवर्स मे 103 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी एलबी शास्त्री क्लब की तरफ से आकिब ने 24 और राहुल गुप्ता ने 18 रनो का योगदान दिया एलबी शास्त्री क्रिकेट क्लब कि तरफ से अनुराग ने 3 , और संयम जैन ने 2 विकेट लिया,यह मैच छह शास्त्री क्रिकेट क्लब दिल्ली ने यह मैच 156 रनो से जीत लिया, शानदार बेटिंग करने के लिए दीपेश बालियान को सुल्तान हॉस्पिटल के ऑनर डॉ दिलशाद ने मैन ऑफ दा मैच की ट्रॉफी देकर सम्मानित किया ,मैच मे अंपायर के फराइज को सतेंद्र सिंह और जमाल पाशा ने अंजाम दिया मैच मे स्कॉरिंग राहुल गुप्ता एबं सदाकत ने और मैच मे कमेंटरी शमशाद अल्वी ने कि इस मोके पर रिजवान पाशा, इमरान पाशा, नजम अली, परवेज पाशा, शहजाद फारूक, सिकंदर अली, नदीम बादशाह,अकरम अंसारी, मोज्जाम अली, सैंडी गुप्ता, अनिल चौहान, मोहम्मद नूर,बॉबी पाशा, नावेद आमिर, रोहित चंदेल,रजन असगर,महशर अली, मोहम्मद जाहिद, भरत, मोहम्मद जुबैर,तरीक चीना, आकिब, दीपांकूर, नफीस,अजीम अहमद, अनस खान,विजय ठाकुर, जावेद पाशा, मुजाहिद अली,डॉ वरुण,मुकररब पाशा,गुफरान, इकराम अली,अजय राव,शाहबाज, शानदार हुसैन,आरिफ,वाजिद मंसूर, रफी उल्लाह, खावर हसन, गौतम, मोहर सिंह, आदि उपस्थित रहे।

कृषि रक्षा अधिकारी ने किसानों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि मौसम में तापमान के उतार-चढ़ाव के कारण गेहूं, सरसों और आलू की फसलों में कीट-रोगों का प्रकोप बढ़ने की प्रबल संभावना है। उन्होंने किसानों को बचाव के लिए विस्तृत सुझाव दिए ।गेहूं की बुवाई के लिए रोग रहित और रोगरोधी प्रजातियों का चयन करें। अनावृत कंडुआ व करनाल बंट से बचाव के लिए कार्बेन्डाजिम 50% डब्ल्यूपी या कार्बोक्सिन 75% डब्ल्यूपी की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज से बीज शोधन करें। भूमि जनित रोगों के लिए ट्राइकोडर्मा 2.5 किलो प्रति हेक्टेयर को गोबर की खाद में मिलाकर खेत में प्रयोग करें। दीमक व गुजिया कीट के नियंत्रण हेतु ब्यूवेरिया बेसियाना 2.5 किलो

प्रति हेक्टेयर या खड़ी फसल में क्लोरपाइरीफॉस 2.5 लीटर का इस्तेमाल करें ।खरपतवार नियंत्रण के लिए सल्फोसल्फ्यूरॉन 75% डब्ल्यूजी 33 ग्राम या क्लोडिनाफॉप 400 ग्राम तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल 20 ग्राम या कारकेंट्राजॉन 50 ग्राम प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें ।सरसों में थिरम 2.5 ग्राम या मेटालेक्सिल 2 ग्राम प्रति किलो बीज से शोधन करें। आरा मक्खी, पत्ती सुरंगक कीट के लिए डाइमिथोएट या क्विनालफॉस का छिड़काव करें। आलू में ब्लैक स्कर्फ से बचाव के लिए प्रमाणित बीज लें और पेनफ्लूफेन या थायफ्लूजामाइड से बीज शोधन करें ।कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि इन उपायों को अपनाकर फसल सुरक्षा सुनिश्चित

राष्ट्रीय लोकदल की नई ऊर्जा मुहम्मद शारिक जीलानी बने शहर अध्यक्ष

मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी से निभाऊंगा:- शारिक जीलानी

सम्भल(सब का सपना):- सम्भल के उपनगरीय क्षेत्र सराय तरीन में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। पार्टी के जिला अध्यक्ष कैसर अब्बास ने एक कार्यक्रम में मुहम्मद शारिक जीलानी को सम्भल शहर अध्यक्ष के पद पर औपचारिक रूप से मनोनीत करने की घोषणा की। यह मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की संतुष्टि, रूहेलखंड क्षेत्र अध्यक्ष चौधरी रामवीर की सहमति और जिला अध्यक्ष कैसर अब्बास के प्रस्ताव पर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं और गणमान्य नागरिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से इस निर्णय का स्वागत किया और

नवमनोनीत शहर अध्यक्ष को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पार्टी की किसानों, नौजवानों, अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। साथ ही, मुहम्मद शारिक जीलानी के सामाजिक योगदान, संगठनात्मक क्षमता, मिलनसार स्वभाव और जमीनी स्तर पर कार्यकताओं को जोड़कर रखने की उनकी कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके कुशल नेतृत्व में रालोद सम्भल शहर में और अधिक मजबूत होगी तथा जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएगी। कार्यक्रम के समापन पर नवमनोनीत शहर अध्यक्ष मुहम्मद शारिक जीलानी ने राष्ट्रीय नेतृत्व, क्षेत्रीय और जिला नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा,मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से निभाऊंगा। राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा। इस अवसर पर मुंह सुखा, काजिम रजा, पूर्व प्रधान भूरा खां, कलीम अहमद, दानिश हसन, मशकूर हसन, वामिक बरकाती, मतलूब हसन, नदीम, हाफिज अफजाल, समीर अली, अजीम, अरशद, अली फैजान, खलील अहमद खान, फहीम खान, मुंह तौसीफ रजा, मुंह नबी हसन, तौसीफ सैफी, शोएब अब्बासी, अयाज सैफी, सुहैल सैफी, मुंह गुफरान, मुंह इरफान, मुंह फखरे आलम, मुंह जीशान, मुंह जुल्फेखार, सुहैल राशिद, तौफीक आजाद एडवोकेट, इम्तियाज बरकाती, शाहबुद्दीन, कामरान सैफी, रय्यान सैफी, मुंह अली, हैदर अली, हुजैफा नौशाही, हकीम सैफी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस की सराहनीय पहल टूटते परिवार को जोड़ा, खुशियां लौटीं घर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की सेवा और परिवारों को एकजुट रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी कड़ी में संभल जिले के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन और महिला थाना प्रभारी रेनू के नेतृत्व में एक सराहनीय कार्य किया गया। शनिवार को महिला थाना बहजोई में सब इंस्पेक्टर अशोक बाबू ने अपने प्रयासों से एक टूटते हुए परिवार को फिर से जोड़ दिया। परिवारिक विवाद के कारण अलग हो चुके इस दंपति को पुलिस की काउंसलिंग और समझाइश से साथ रहने के लिए राजी कर लिया गया। महिला थाना टीम ने दोनों पक्षों की बात सुनी, वैवाहिक जीवन की अहमियत समझाई और मनमुटाव दूर किए। नतीजतन, परिवार फिर से एक हो गया और घर में खुशियां लौट

आईं। पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। महिला थाना प्रभारी रेनू और उनकी टीम की यह पहल मिशन शक्ति जैसे अभियानों का बेहतरीन उदाहरण है। सब इंस्पेक्टर अशोक बाबू की मेहनत ने एक परिवार को बिखरने से बचा लिया। इस घटना से जिले में पुलिस की छवि और मजबूत हुई है। लोग पुलिस की इस मानवीय पहल की खूब सराहना कर रहे हैं। संभल पुलिस ऐसे प्रयासों से समाज सेवा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम कर रही है।

पूर्व विधायक की शिकायत पर अवैध बालू खनन में लगाया 25 लाख से अधिक का जुमार्ना

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- जनपद के गुन्नौर तहसील क्षेत्र में अवैध बालू खनन के एक मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री अजीत कुमार उर्फ राजू यादव की शिकायत पर जांच के बाद अनुज्ञाधारक पर 25 लाख 40 हजार 70 रुपये का भारी जुमार्ना अधिरोपित किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गुन्नौर तहसील के ग्राम होतमगढ़ी खाम में संचालित साधारण बालू खनन अनुज्ञा की आड़ में कम घनमीटर की रसीद काटकर तीन गुना बालू ओवरलोड किया जा रहा है। साथ ही रात के समय बिना रसीद के

वाहनों से अवैध खनन और भंडारण किया जा रहा है। इस शिकायत के आधार पर 18 दिसंबर को प्रभारी खनन अधिकारी, उपजिलाधिकारी गुन्नौर, तहसीलदार गुन्नौर एवं खनन निरीक्षक की संयुक्त टीम ने मौके पर जांच की। जांच में पाया गया कि अनुज्ञाधारक ने स्वीकृत खनन क्षेत्र के बाहर दो पिट्स बनाकर कुल 6513 घन मीटर बालू का अवैध खनन और परिवहन किया है। यह उत्तर प्रदेश खनिज (परिहार अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण) नियमावली 2021 के नियम 3, 58, 72 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4 व 21 का स्पष्ट उल्लंघन है। इस अवैध खनन से राजस्व को 25 लाख 40 हजार 70 रुपये की क्षति हुई। जिलाधिकारी संभल ने 18 दिसंबर को ही अनुज्ञाधारक को यह राशि अर्थदंड के रूप में जमा करने का नोटिस जारी किया है। खनन निरीक्षक ने बताया कि शासन की प्राथमिकता है कि पूरे प्रदेश में अवैध खनन एवं परिवहन पर पूरी तरह रोक लगे। जिलाधिकारी के समय-समय पर दिए निदेर्शों के क्रम में क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विकास खण्ड जुनावई में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित

जुनावई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम में शनिवार को ब्लॉक बाल कल्याण एवं सरंक्षण समिति की बैठक सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में विकास खण्ड जुनावई सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालको को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी तबस्सुम जैहरा द्वारा किशोर न्याय (बालकों की

देखरेख एवं सरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुडी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी तेजपालसिंह ने सरकार द्वारा बालकों एवं छात्राओं के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 181 112, 1076 आदि हेल्पलाइन नंबर जिनका प्रयोग आपातकाल स्थिति में किया जा सकता है के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

सहायक विकास अधिकारी उमेश कुमार (आई.एस.बी.) ने बैठक के माध्यम से सभी सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। बैठक में शिक्षा विभाग से मयंक, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. राजकुमार गुप्ता, विकास कुमार, राजेश, सार्थक आदि उपस्थित रहे।

गांव में खडंजा-नाली निर्माण को दबंगों ने रोका, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

बनियाठेर/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बनियाठेर क्षेत्र अंतर्गत गांव अहमदनगर थरैसा के निवासियों ने गांव में खडंजा और नाली के निर्माण कार्य को कुछ दबंगों द्वारा जबरन रोकने की शिकायत जिलाधिकारी से की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के नरेश, रामसेवक, लेखराज और लिक्खी आदि ने दबंगई दिखाते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया और हुए काम को उखाड़ फेंका। शिकायतकर्ता अमर सिंह, दयाराम, मुकेश, हेमसिंह, हिर्देश, चरन सिंह, टीटू, रामौतार,

शकुंतला, अमरवती और मालवती सहित अन्य ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में कहा कि उनके घरों तक जाने वाला खडंजा पूरी तरह खराब हो चुका था। ग्राम प्रधान से अनुरोध करने पर निर्माण कार्य शुरू कराया गया, लेकिन उक्त दबंगों ने इसे रोक दिया। आरोप है कि मुख्य आरोपी नरेश ने खुद को विकलांग बताते हुए जान से मारने की धमकी दी और प्रशासन में सांठ-गांठ का हवाला देकर झूठा मुकदमा दर्ज कराने की बात कही। ग्रामीणों ने बताया कि इस दबंगई से वे काफी परेशान हैं और मजबूरी में जिलाधिकारी के समक्ष न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि निर्माण कार्य पूरा हो सके और वे अपने घरों तक आसानी से आ-जा सकें।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ उतरे कांग्रेसज

बदायूं(सब का सपना):- मोदी सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म कर 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल पारित करने के खिलाफ बदायूं जिला कांग्रेस कमेटी ने जोरदार विरोध की तैयारी की है। जिला अध्यक्ष अजीत यादव ने सभी कांग्रेस कार्यकताओं से अपील की है कि 22 दिसंबर को दोपहर 1 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क (जिला अस्पताल के सामने) में आयोजित शांतिपूर्ण विरोध

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल हों। कांग्रेस का आरोप है कि यह बिल मनरेगा जैसे ऐतिहासिक अधिकार-आधारित कानून को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम व मूल्यों को मिटाने की सुनियोजित साजिश है। मनरेगा ने ग्रामीण भारत को 100 दिनों का रोजगार गारंटी दिया, महिलाओं व भूमिहीनों को सशक्त बनाया और श्रम की गरिमा को मजबूत किया। नए बिल से ग्रामीण मजदूरों को वैधानिक अधिकार से वंचित कर केंद्र-नियंत्रित दान पर निर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जो गरीबों, मजदूरों और किसानों पर सीधा हमला है। जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह ने कहा कि यह कदम बीजेपी-आरएसएस की गांधीजी के प्रति असहजता को दशार्ता है। कांग्रेस पार्टी इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस ने इस बिल के खिलाफ प्रदर्शनों का ऐलान किया है। बदायूं कांग्रेस ने सभी कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में 37 वैवाहिक विवादों का निस्तारण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पुलिस की पहल पर चलाए जा रहे परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक बहजोई की पुलिस लाइन मंडी समिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस बैठक में पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। बैठक की व्यवस्था

रिजर्व इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने संभाली, जबकि परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में काउंसलरों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कुल 67 पत्रावलियों (केसों) पर सुनवाई की गई, जिसमें 37 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। सबसे सकारात्मक पहलू यह रहा कि 9 परिवारों को फिर से मिलाया गया, जिससे टूटते रिश्तों को नई मजबूती मिली। वहीं, 24 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा बल न देने (रुचि न दिखाने) के कारण बंद कर दिया गया। चार मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई है। इस अवसर पर विधिक परामर्शदाता काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, लव मोहन वार्ष्णेय, एडवोकेट संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, कंचन महेश्वरी तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक, रश्मि गहलोत, ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, जिलाधिकारी ने की सुनवाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जन सामान्य की शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संभल जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य आयोजन तहसील चंदौसी के सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया की अध्यक्षता में हुआ, जहां फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समयबद्ध निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाएं और उन्हें

गंभीरता से लिया जाए। विशेष रूप से पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों पर थानाध्यक्षों को तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए। डीएम डॉ. पेंसिया ने कहा, "सभी प्राप्त प्रार्थना पत्रों का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों का समाधान शीघ्र और निचले स्तर पर ही हो।" उन्होंने जोर दिया कि गुणवत्तापूर्ण निस्तारण से जनता का विश्वास प्रशासन पर बढ़ेगा। संपूर्ण समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी ने तहसील परिसर और आपूर्ति विभाग कार्यालय का निरीक्षण किया। साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने विकासखंड बनियाखेड़ा के ग्राम कैथल में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (आवासीय) के लिए प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी मनोज कुमार सिंह, तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्भल के छात्रों की दिल्ली एक्सपोजर विजिट सफलतापूर्वक संपन्न

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 9-12 के विद्यार्थियों की प्रदेश के बाहर पाँच दिवसीय एक्सपोजर विज़िट का प्रारंभ 16 दिसंबर को जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार के द्वारा हरी झंडी दिखा कर किया गया । प्रदेश के बाहर पाँच दिवसीय एक्सपोजर विज़िट के लिए नई दिल्ली के मुख्य स्थलों जैसे राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, लालकि ला , इंडिया गेट और राष्ट्रपति भवन इत्यादि का भ्रमण विद्यार्थियों को कराया गया । विद्यार्थियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के लेक्चर हॉल ,

केन्द्रीय पुस्तकालय , रसायन विज्ञान प्रयोगशाला और प्रोजेक्टर के द्वारा वहाँ की एक वीडियो क्लिप दिखाई गई जिससे विद्यार्थियों को ऐसे शिक्षण संस्थानों में पढ़ने को लेकर मोटिवेशन प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली में विद्यार्थियों को विज्ञान से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को दिखाया गया ।राष्ट्रपति भवन में विद्यार्थियों को वहाँ की गाइड द्वारा 1911 में भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली में परिवर्तन , 1913-1931 तक भवन निर्माण, विभिन्न कक्षों जैसे सरयू कक्ष , यमुना कक्ष और वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा निर्मित जनजातीय संग्रहालय म्यूज़ियम बच्चों को दिखाया गया। एक्सपोजर विज़िट 2025 को सफलतापूर्वक पूर्ण कराने में महत्वपूर्ण योगदान जिला समन्वयक वेद प्रकाश यादव, एक्सपोजर विज़िट प्रभारी प्रभात कुमार सह प्रभारी ,कु. नेहा ,कु. चंचल शर्मा तथा सहयोगी गोपाल बाबू वार्ष्णेय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस ने कोहरे में सड़क सुरक्षा के लिए चलाया जागरूकता अभियान

वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर यातायात नियमों की दी हिदायत

संभल(सब का सपना):- सर्दियों में बढ़ते कोहरे और कम दृश्यता के कारण सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए संभल पुलिस ने सक्रिय कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कोतवाली संभल के एसएसआई संजीव बालियान और यातायात पुलिस के टीएसआई अशोक कुमार ने हमराही जवानों की संयुक्त टीम के साथ चंदौसी चौराहा संभल पर पहुंचकर ट्रैक्टर और अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई। साथ ही, वाहन चालकों और आम जनता को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। पुलिस

टीम ने लोगों को बताया कि कोहरे में रिफ्लेक्टर टेप लगाने से वाहन दूर से दिखाई देते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा काफी कम हो जाता है। अभियान के दौरान कई वाहन चालकों ने इस पहल की सराहना की और नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे ताकि जिले में दुर्घटनाएं न्यूनतम हों। यह अभियान कोहरे के मौसम में विशेष रूप से उपयोगी साबित होगा।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 178 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श दिया गया

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 232वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेला सत्रों पर 37 चिकित्सकों एवं 126 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2681 रोगियों (पुरुष रोगी- 1021; महिला रोगी- 1007 एवं 653 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 142 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड तथा 166 आभा आई.डी. बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 256, चर्म रोग के 390, दमा के 305, मधुमेह रोग के 73, नेत्र रोग से सम्बन्धित 23, उच्च रक्तचाप के 61 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 33 मरीजों की मलेरिया की तथा 16 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (Negative) रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 178 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

विधायक खेल स्पर्धा का धूमधाम से शुभारंभ, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित विधायक खेल स्पर्धा, विधानसभा चंदौसी का शुभारंभ शनिवार को एसएम डिग्री कॉलेज चंदौसी में धूमधाम से किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के प्रतिनिधि रामपाल सिंह ने किया। इस अवसर पर सैकड़ों युवा खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जो खेल के माध्यम से अनुशासन और संयम की सीख देने वाली साबित हुई। रामपाल सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस बढ़ाता है, बल्कि जीवन में अनुशासन, संयम और सहनशीलता सिखाता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ भाग लेने और एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखने की प्रेरणा दी। सिंह ने युवाओं से अपील की कि वे खेल को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं, ताकि राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। जिला युवा कल्याण अधिकारी हरि प्रेम ने बताया कि यह स्पर्धा युवाओं को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा, इस विधायक खेल स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को आगे राज्य स्तर तक पहुंचने का सुनहरा अवसर मिलेगा। हमारा उद्देश्य स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय पटल तक प्रतिभाओं को निखारना है। प्रेम ने आगामी वर्षों में ऐसी स्पधाओं को और विस्तार देने की योजना का भी जिक्र किया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में दौड़, कूद और कबड्डी जैसी स्पधाओं का आयोजन किया गया। परिणामों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मुख्य विजेताओं में सब जूनियर बालक वर्ग (800 मीटर) प्रथम स्थान - अजय सब जूनियर बालिका वर्ग (800 मीटर)प्रथम स्थान - वंदना जूनियर बालक वर्ग (400 मीटर) प्रथम स्थान - हेमंत जूनियर बालक वर्ग (1500 मीटर) प्रथम स्थान - मुकुल जूनियर बालिका वर्ग (800 मीटर) प्रथम स्थान - अदिती शर्मा लंबी कूद सीनियर पुरुष वर्ग प्रथम स्थान - फैजान लंबी कूद जूनियर वर्ग प्रथम स्थान - अभिषेक यादव लंबी कूद सब जूनियर वर्ग प्रथम स्थान - विकास सब जूनियर 100 मीटर कबड्डी जूनियर बालिका वर्ग प्रथम स्थान - कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बनिया खेड़ा की टीम शामिल हैं। सभी विजयी खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी विनीत सिद्ध, जगजीत सिंह, चित्रवीर सिंह, अनुज कुमार, नितिन कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती, ओलंपिक संघ के सचिव आशु शर्मा, जिला स्काउट अध्यापक प्रफुल्ल कुमार, डॉक्टर गौरव मिश्रा तथा अशोक पाठक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 400 के पार, आपके इलाके का क्या है हाल?

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में स्मॉम की मोटी चादर छाई हुई और वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। धुंध होने से विजिबिलिटी में कमी आई है जिससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह सात बजे दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 398 दर्ज किया गया, जिसे हवा की बेहद खराब कैटेगरी में रखा गया है, लेकिन यह गंभीर कैटेगरी के बिल्कुल करीब है। ग्रेप स्टेज-चतुर्थ के तहत सभी एक्शन लागू होने के बावजूद राजधानी के ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। आनंद विहार इलाके में एक्यूआई 433, बवाना में 442, बुराड़ी में 383, चांदनी चौक में 452, द्वारका में 414, आईटीओ में 399, अक्षरधाम में 438, जहांगीरपुरी में 440, मुंडका में 434, नरेला में 418, रोहिणी में 438, विवेक विहार में 418 और वजीरपुर में 446 रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, दिल्ली से सटे नोएडा में भी हवा की गुणवत्ता गंभीर बनी हुई है। सुबह सात बजे एक्यूआई 401, ग्रेटर नोएडा में 334, गाजियाबाद में 361 और गुरुग्राम में एक्यूआई 362 दर्ज किया गया है।

यू के कमला नेहरू कॉलेज की परीक्षा में अव्यवस्था, 15 मिनट देर से शुरू हुआ पेपर; छात्राएं हुईं परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कालेज में आयोजित परीक्षा के दौरान गंभीर प्रशासनिक अव्यवस्था सामने आई, जिससे छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। परीक्षा जैसे संवेदनशील और दबावपूर्ण माहौल में कालेज प्रशासन की लापरवाही ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन को सीधे प्रभावित किया। छात्राओं का आरोप है कि परीक्षा के दिन सीट आवंटन को लेकर भारी भ्रम की स्थिति रही। उन्हें बार-बार एक कक्ष से दूसरे कक्ष में भेजा गया, जिससे अव्यवस्था फैल गई। इस कारण परीक्षा लगभग 15 मिनट देरी से शुरू हुई, लेकिन इसके बावजूद छात्राओं को अतिरिक्त समय नहीं दिया गया। परीक्षा कक्ष के भीतर भी हालात संतोषजनक नहीं रहे। छात्राओं ने आरोप लगाया कि निरीक्षक लगातार आपस में बातचीत करते रहे और कई बार ऊंची आवाज में बोलते नजर आए। इससे परीक्षा का वातावरण पूरी तरह अशांत रहा। आपत्ति पर मिला असंवेदनशील जवाब जब कुछ छात्राओं ने इस अव्यवस्था पर आपत्ति जताई तो उन्हें गंभीरता से सुनने के बजाय व्यंग्यात्मक और असंवेदनशील जवाब दिए गए। यहां तक कहा गया कि वे अपनी शिकायत प्रिंसिपल से जाकर करें, वह भी परीक्षा के दौरान। छात्राओं का कहना है कि यह मामला केवल समय की हानि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासन की कार्यशैली, पेशेवर व्यवहार और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति असंवेदनशीलता को दशार्ता है। परीक्षा के दौरान शांति, अनुशासन और सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करना है।

युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में एसएम डिग्री कॉलेज में प्रतियोगिता का आयोजन

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में विधानसभा चंदौसी में चल रही विधायक खेल स्पर्धा के दूसरे दिन एसएम डिग्री कॉलेज के मैदान में रविवार को बैडमिंटन, फुटबॉल, वेट लिफ्टिंग एवं एथलेटिक्स में ऊंची कूद ,डिस्कस थ्रो एवं जैवलिन थ्रो में प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया फुटबॉल सब जूनियर में बहजोई की टीम एवं जूनियर वर्ग में चंदौसी की ब्लैक रॉकर्स टीम विजेता रही, बैडमिंटन सब जूनियर महिला वर्ग में पूजा ,सीनियर वर्ग में कल्पना प्रथम स्थान पर रही, बैडमिंटन सीनियर पुरुष वर्ग में कपिल प्रथम स्थान पर रहे, बैडमिंटन सीनियर पुरुष वर्ग डबल्स में अभिजीत और केशव प्रथम स्थान पर रहे, सब जूनियर डिस्कस थ्रो में दलवीर हाई जंप में मोहित प्रथम स्थान पर रहे, जूनियर पुलिस वर्ग जैवलिन थ्रो में अतुल कुमार, हाई जंप में प्रशांत कुमार डिस्कस थ्रो में रोहित शर्मा प्रथम स्थान पर रहे, सीनियर पुरुष वर्ग डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान अजय हाई जंप में नितिन कुमार और जैवलिन थ्रो में भारत प्रथम स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कपूर जिला ओलंपिक संघ के सचिव आशु शर्मा, जिला क्रीड़ा भारती अध्यक्ष गौरव मिश्रा, जूडो संघ अध्यक्ष एकांश गुप्ता, क्रीड़ा भारती कोषाध्यक्ष अशोक कुमार पाठक ,जिला स्काउट टीचर प्रफुल्ल गुप्ता के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी विनीत सिद्ध के द्वारा कर किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी चित्रवीर सिंह, कोच गोविंद नकुल गुर्जर, अजय गिल, शिवम, नादिर राजा ,आदित्य, हैरी उपस्थित रहे।

आग से बर्बाद हुए कारीगरों पर दोहरा झटका, दिल्ली हाट में रिजर्व प्राइस दोगुना; नीलामी का बहिष्कार

साउथ दिल्ली। INA दिल्ली हाट मार्केट में कारीगर अभी अप्रैल में लगी आग से हुए नुकसान से उबर भी नहीं पाए थे कि दिल्ली टूरिज्म कॉर्पोरेशन ने तय नीलामी फीस दोगुनी कर दी। दिल्ली हाट INA मार्केट के कारीगरों में काफी गुस्सा है। दुकानदारों ने कहा है कि वे इस नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेंगे। उनका कहना है कि अप्रैल में आग में उनका सारा सामान जल जाने के बाद वे पहले से ही आर्थिक तंगी झेल रहे हैं। ऐसे हालात में रिजर्व प्राइस बढ़ाना कारीगरों के साथ नाइंसाफी है। वे यह भी आरोप लगा रहे हैं कि दिल्ली टूरिज्म कॉर्पोरेशन की लापरवाही और मनमानी की वजह से आग से हुए नुकसान के इंश्योरेंस क्लेम प्रोसेस नहीं हो रहे हैं।

दिल्ली में छाई स्मॉग की मोटी चादर, 100 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल और 600 उड़ानें हुईं लेट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में घने कोहरे और स्मॉग की मोटी चादर छाई हुई है जिससे विजिबिलिटी कम हो गई है। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर इसका असर उड़ानों में देखने को मिला है। विजिबिलिटी घटने से 104 उड़ानों को रद करना पड़ा, जिसमें 64 प्रस्थान और 40 आगमन की फ्लाइट्स शामिल हैं। इसके अलावा करीब 600 उड़ानों ने निर्धारित समय से देरी से उड़ान भरी और सुबह तक चार उड़ानों को डायवर्ट किया गया है। कोहरे से सुबह के घंटों में उड़ानों पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। एअर इंडिया और इंडिगो ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी एअर इंडिया और इंडिगो सहित देश की प्रमुख एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। देश के कई हिस्सों में सुबह-सुबह कोहरे के कारण संभावित उड़ान व्यवधानों की चेतावनी दी गई है। एयरलाइन्स ने कहा कि विजिबिलिटी कम होने की समस्या फ्लाइट संचालन को प्रभावित कर सकती है, देरी या शेड्यूल में बदलाव संभव है। इसलिए घर से निकलने से पहले अपनी एयरलाइन से संपर्क करें। कई इलाकों में 400 के पार पहुंचा AQI दिल्ली में रविवार सुबह सात बजे के एक्यूआई 438 रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। अक्षरधाम इलाके में एक्यूआई 438 था, जिसे 'गंभीर' कैटेगरी में रखा गया है। CPCB के डेटा के अनुसार, गाजीपुर इलाके में भी AQI लेवल 438 रिकॉर्ड किया गया। इंडिया गेट और कर्तव्य पथ इलाके में एक्यूआई 381 रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, आनंद विहार इलाके में प्रदूषण का लेवल 'गंभीर' हो गया, जहां एक्यूआई फिर से 440 था।

धूल-मलबा-कचरा जलाने वालों पर शिकंजा, दिल्ली सरकार ने जिला समितियां को दिए सख्ती के निर्देश

नई दिल्ली। प्रदूषण की समस्या को देखते हुए दिल्ली सरकार ने पिछले अक्टूबर में सरकार द्वारा बनाई गई जिला समितियों को और सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इन समितियों की सह-अध्यक्षता जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस उपायुक्त और नगर निगम के उपायुक्त करते हैं। प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित विभिन्न विभाग इन समितियों के सदस्य हैं। सरकार ने इन समितियों से प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निगरानी और कार्रवाई पर अधिक ध्यान देने को कहा है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या काफी गंभीर बनी हुई है। विपक्ष इस संबंध में कई आरोप लगा रहा है। विपक्ष में आम आदमी पार्टी लगातार सरकार पर दबाव बना रही है, यह दावा करते हुए कि प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर केवल दिखावे की कार्रवाई की जा रही है। कई जगहों पर कचरा जलाया जा रहा है, निर्माण कार्य जारी है, और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई केवल कागजों पर हो रही है। इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने जिला स्तर पर प्रदूषण निगरानी के लिए गठित समितियों को और सख्त कार्रवाई करने को कहा है। इन समितियों का गठन पहली बार पिछले अक्टूबर में किया गया था, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस उपायुक्त और नगर निगम क्षेत्र के उपायुक्त सह-अध्यक्ष थे, और प्रदूषण निगरानी और कार्रवाई से संबंधित विभिन्न विभाग सदस्य थे। हालांकि, ऐसी खबरें आ रही हैं कि समितियां सक्रिय रूप से काम नहीं कर रही थीं। इसके बाद, सरकार ने सक्रियता दिखाते हुए उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है जो सरकार की बार-बार की चेतावनियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों में शामिल हैं। दिल्ली भर में विभिन्न स्थानों पर मलबा फेंका जा रहा है, जिससे धूल प्रदूषण बढ़ रहा है। लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और नई दिल्ली नगर परिषद से भी धूल प्रदूषण को कम करने के लिए सड़कों पर लगातार पानी छिड़कने को कहा गया है। सरकार पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में बनी प्रदूषण की स्थिति में सुधार करना चाहती है।

केनरा बैंक के सीवीआरसेटी बहजोई केंद्र में 138 युवाओं को मुफ्त कौशल प्रशिक्षण

हमारा संस्थान कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ बैंकिंग सहायता भी प्रदान करता है:- विनीत तिवारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में केनरा बैंक का ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सीवीआरसेटी) बहजोई केंद्र एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। यहां वर्तमान में चार बैचों के माध्यम से कुल 138 युवाओं को निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इन कोर्सों में सहायक बुककीपर (अकाउंट्स असिस्टेंट), ब्यूटी प्रैक्टिशनर, सॉफ्ट टॉयज मेकिंग और उद्यमिता विकास जैसे व्यावहारिक पाठ्यक्रम शामिल हैं, जो युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मजबूत आधार दे रहे हैं। संस्थान न केवल कौशल सिखाने तक सीमित है, बल्कि प्रशिक्षुओं को व्यवसाय शुरू करने और बैंकिंग प्रक्रियाओं से परिचित कराने के लिए विभिन्न शिविरों में भी भागीदारी सुनिश्चित करता है। इसी कड़ी में, सीवीआरसेटी के प्रशिक्षुओं ने हाल ही में कलेक्ट्रेट परिसर बहजोई में आरबीआई और जिला अग्रणी कार्यालय केनरा बैंक द्वारा आयोजित DEAF (डोरमेंट अकाउंट्स फंड) कैंप में सक्रिय भाग लिया। इस कैंप का उद्देश्य 10 वर्ष से अधिक पुराने असंचालित बैंक खातों में जमा राशि को संबंधित व्यक्तियों तक पहुंचाना है, जो आरबीआई के पास स्थानांतरित हो चुकी है। कैंप के दौरान वित्तीय साक्षरता सत्र भी आयोजित किए गए, जिसमें जिला अग्रणी प्रबंधक ललित विजय राय ने बताया,यह पहल सम्भल जिले के निवासियों को उनकी खोई हुई संपत्ति वापस दिलाने के लिए की गई है। यदि आपके पास कोई पुराना असंचालित खाता है, तो तुरंत संपर्क करें। सीवीआरसेटी के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया, हमारा संस्थान कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ बैंकिंग सहायता भी प्रदान करता है। अब तक यहां से 1300 से अधिक प्रशिक्षु विभिन्न कोर्स पूर्ण कर चुके हैं, जिनमें से कई ने अपना स्वरोजगार शुरू किया है, जबकि अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में नौकरी पा ली है। यह युवाओं की सफलता ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। भविष्य की योजनाओं पर बोलते हुए विनीत तिवारी ने कहा कि आगामी बैचों में आर्टिफिशियल ज्वेलरी मेकिंग, राजमिस्त्री और बीसी (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट) जैसे कोर्स शुरू होने वाले हैं। इसके अलावा, 1 फरवरी से DTP (डेस्कटॉप पब्लिशिंग) और 15 फरवरी से पार्लर एवं सिलाई के बैचों के लिए आवेदन भरे जा रहे हैं। इच्छुक युवा संस्थान कार्यालय बहजोई में संपर्क कर सकते हैं। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या को दूर करने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केनरा बैंक की यह पहल न केवल आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है, बल्कि समुदाय की समग्र उन्नति में भी योगदान दे रही है। अधिक जानकारी के लिए सीवीआरसेटी बहजोई से संपर्क करें।

जैतपुर एक्सटेंशन में चाय बनाते समय सिलेंडर विस्फोट, मची अफरा-तफरी

दक्षिण दिल्ली। रविवार सुबह जैतपुर एक्सटेंशन के झील गार्डन में एक घर की पहली मंजिल पर गैस स्टोव पर चाय बनाते समय आग लग गई। गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। आग लगते ही पूरा परिवार डरकर घर से बाहर सड़क पर भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में किचन और बगल के कमरे का सारा सामान जलकर राख हो गया। झील गार्डन में मकान नंबर G-192 की पहली मंजिल पर राम प्रकाश अपने परिवार के साथ रहते हैं। सुबह उनकी बेटी चाय बना रही थी, तभी उसने देखा कि सिलेंडर के रेगुलेटर से अचानक आग की लपटें निकल रही हैं। उसने परिवार के दूसरे सदस्यों को बताया, और वे सभी तुरंत घर से बाहर सड़क पर भाग गए।जल्द ही, आग की तेज लपटें उठने लगीं। पड़ोसी भी वहां जमा हो गए और आग बुझाने की कोशिश की। आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। दो घंटे की मशक्कत के बाद तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस घटना में किसी को कोई शारीरिक नुकसान नहीं हुआ, लेकिन किचन और बगल के कमरे का सारा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। पुलिस ने घटना को डेली डायरी में दर्ज कर लिया है।

शहीदी समागम में बोले सीएम नायब सैनी, वीर साहिबजादों की शहादत युवाओं के लिए देशभक्ति की प्रेरणा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुनानगर में आयोजित 'श्री गुरु तेग बहादुर जी के परिवार के शहीदी समागम' में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरु साहिब और उनके परिवार की महान शहादत

यमुनानगरः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुनानगर में आयोजित 'श्री गुरु तेग बहादुर जी के परिवार के शहीदी समागम' में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरु साहिब और उनके परिवार की महान शहादत को नमन करते हुए समाज के लिए उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन भी किया और सेवा कार्य में जुटे युवाओं का उत्साहवर्धन किया। समागम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के परिवार का बलिदान दुनिया की सबसे बड़ी शहादत है। यह हमें सिखाता है कि वीरता किसी उम्र की मोहताज नहीं होती। उन्होंने जोर देकर कहा कि वीर साहिबजादों का बलिदान आने वाली कई सदियों तक देश के युवाओं को राष्ट्रभक्ति की राह दिखाएगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यमुनानगर में बनने वाले नए मेडिकल कॉलेज का नाम 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखा गया है। सीएम ने कहा कि साहिबजादों की शहादत को सम्मान देने के लिए हर वर्ष 26 दिसंबर को पूरे देश में 'वीर बाल दिवस' श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।राज्यव्यापी कार्यक्रमः गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में हरियाणा सरकार द्वारा 1 नवंबर से 25 नवंबर तक प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रमों और जागरण यात्राओं का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने गुरु साहिब के सम्मान में विशेष डाक टिकट और सिक्का जारी कर उनकी विरासत को वैश्विक पहचान दी है।कार्यक्रम में आयोजित रक्तदान शिविर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी पूंजी है और यही गुरु साहिब की मुख्य शिक्षा भी है। आज हम उस महान विरासत को नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिसने मानवता, धर्म और सत्य की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। हरियाणा सरकार गुरु साहिब के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सत्ता या विपक्ष दोनों के लिए अनुशासन जरूरी खुद भी अनुशासन प्रहरी है विधानसभा अध्यक्ष :हरविंदर कल्याण

चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा शीतकालीन सत्र के दौरान अक्सर स्वभाव से बिल्कुल नरम, मृदुभाषी और शांत रहने वाले विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण कई बार अनुशासन को लेकर बहुत ही सख्त नजर आते हैं।कुछ ऐसा ही नजर मौजूदा विधानसभा शीतकालीन सत्र में भी दिखाई दे रहा है। जहां मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायकों द्वारा बार-बार वेल में आने पर अध्यक्ष द्वारा दी गई चेतावनी के बाद आखिरकार अनुशासन बनाए रखने के लिए मार्शल बुलाकर उक्त नौ विधायकों को विधानसभा से बाहर ही नहीं निकल गया। बल्कि उन्हें नेम भी कर दिया गया। इसके बाद नेता विपक्ष भूपेंद्र हुड्डा व मुख्यमंत्री नायब सैनी के हस्तक्षेप के बाद नेम किए गए कांग्रेसी विधायकों को फिर से सदन की कार्रवाई में हिस्सा लेने दिया गया ।ऐसे में नियमों को लेकर कड़ा रुख अख्तियार करने वाले स्पीकर महोदय सभी को साथ लेकर चलने मे नरम पड़ जाते हैं। हमेशा सुव्यवस्थित तथा शांत तरीके से अपनी बात को कहने वाले स्पीकर महोदय स्वयं दूसरे की बात को भी पुरी गंभीरता और ध्यान पूर्वक सुन उसे पूरा मान सम्मान देने की कोशिश करते हैं। अनुशासन को लेकर उनकी बानगी विधानसभा अध्यक्ष के कार्यकाल मे सहज ही देखी जा सकती है। कैसे लोकतांत्रिक प्रणाली में विधानसभा अध्यक्ष सत्ता और विपक्ष दोनों का संरक्षक माना जाता है।

इसी कड़ी में उन्होंने खुद को भी अनुशासन के सांचे में इतना ढाला है कि अभी तक भाजपा के सभी राजनीतिक मंचों से दूरी बनाई हुई है। बल्कि किसी भी प्रकार की राजनीतिक टीका टिप्पणी भी उनके द्वारा नहीं की जाती । जबकि इससे पहले प्रदेश में चाहे किसी भी दल की सरकार सत्ता में रही हो।अमूमन यह देखने मे आता था कि हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष राजनीतिक मंचों पर सुशोभित होते रहे हैं। उनकी यह कार्यशाली जहां उनके व्यक्तित्व को और भी बड़ा करती है। वही उनकी यह शैली अन्य राजनीतिज्ञों के लिए एक ट्रेंड साबित होगी।

हरियाणा रोडवेज की बड़ी पहल, इस जिले से सालासर धाम के लिए सीधी बस सेवा शुरू

सोनीपतः धार्मिक यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों और यात्रियों की सुविधा के लिए हरियाणा रोडवेज ने सालासर धाम के लिए सीधी बस सेवा शुरू की है। इस सेवा के शुरू होने से अब तीर्थयात्रियों को सालासर पहुंचने के लिए बार-बार बस बदलने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

पहले यात्रियों को दिल्ली या रोहतक होकर जाना पड़ता था, लेकिन अब वे सोनीपत से सीधे सालासर जा सकेंगे। अब तक सालासर जाने वाले यात्रियों को पहले रोहतक या दिल्ली पहुंचना पड़ता था, जहां से उन्हें बस बदलनी पड़ती थी। सामान के साथ यात्रा करना महिलाओं और बच्चों के लिए खासकर परेशानी भरा होता था। सीधी बस सेवा शुरू होने से यात्री एक ही बस में सुरक्षित और आसानी से अपनी मंजिल तक पहुंच सकेंगे। सालासर के लिए बस रोजाना सुबह 9:00 बजे सोनीपत बस स्टैंड से रवाना होगी। यह बस सोनीपत से रोहतक, भिवानी और लोहारू होते हुए सालासर धाम जाएगी। सोनीपत और सालासर के बीच रास्ते में पड़ने वाले कस्बों के यात्रियों को भी इस सीधी सेवा से फायदा होगा। वापसी में यह बस अगले दिन सुबह 8:00 बजे सालासर से सोनीपत के लिए रवाना होगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रोडवेज ने सोनीपत से सालासर का किराया सिर्फ 430 रुपये तय किया है। यह किराया प्राइवेट गाड़ियों या टैक्सियों की तुलना में काफी किफायती है, जिससे मध्यम वर्ग के परिवारों, बुजुर्गों और महिलाओं को खास राहत मिलेगी।

कटरा एक्सप्रेसवे पर हरियाणा में बनाए जाएंगे 12 रेस्ट एरिया, 1866 करोड़ रुपये राशि की जाएगी राशि

बहादुरगढ़ः बहादुरगढ़ से गुजरने वाले कटरा एक्सप्रेसवे पर सुविधा बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। हरियाणा सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की योजना के तहत हरियाणा सीमा में 12 आधुनिक रेस्ट एरिया विकसित किए जाएंगे। निर्माण प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना है। इस काम को मार्च 2026 तक पूरा लिया जाएगा। कटरा एक्सप्रेसवे का हरियाणा क्षेत्र में लगभग 135 किलोमीटर लंबा हिस्सा विकसित किया गया है। हरियाणा सीमा में कटरा एक्सप्रेस-वे लगभग 135 किलोमीटर लंबा है। एक्सप्रेस-वे नवंबर 2024 में शुरू हो गया था। इस पर वाहन सरपट दौड़ रहे हैं। कटरा एक्सप्रेस-वे पर रेस्ट एरिया बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। एनएचएआई की ओर से जसौर खेड़ी से 34 किलोमीटर तक कटरा एक्सप्रेस वे के इस प्रोजेक्ट पर 1866 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है। वहीं, केएमपी और कटरा एक्सप्रेस-वे निलौठी के पास जीरो पॉइंट पर इंटरचेंज का काम तेजी से चल रहा है। जल्द ही यह पूरा कर लिया जाएगा। डबल ट्रम्पेट इंटरचेंज का काम अभी अधूरा है। इंटरचेंज का निर्माण पूरा होने में अभी दो माह का समय और लग सकता है। इंटरचेंज के लिए केएमपी से आवागमन करने वाले वाहनों से टोल वसूला जाएगा। इस कारण केएमपी से कटरा एक्सप्रेस वे आने व जाने वाले वाहनों के लिए टोल प्लाजा भी बनाया जाएगा। वहीं, कटरा एक्सप्रेस-वे के बजाय सीधा सफर करने वाले वाहनों के लिए केएमपी पर फ्लाईओवर बनकर तैयार हो गया है। यह प्रोजेक्ट 14 महीने की देरी से चल रहा है। बता दें कि दिल्ली से कटरा तक एक्सप्रेस-वे की लंबाई करीब 650 किलोमीटर है। एक्सप्रेस-वे पर हरियाणा में 8 टोल तो पंजाब में 13 टोल प्लाजा बनाए जाएंगे। यह पूरा प्रोजेक्ट 40 हजार करोड़ का है। कुल दो फेज के 18 पैकेजों में इसका निर्माण हो रहा है। 31 दिसंबर 2025 व अप्रैल 2026 तक अधिकांश एक्सप्रेस-वे का काम दो चरणों में पूरा करने का लक्ष्य है।

डबवाली में नहर में मिला व्यक्ति का शव, राहगारी ने देखते ही बुलाई पुलिस

डबवाली : हरियाणा में क्राइम का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। डबवाली क्षेत्र के गांव रामगढ़ के पास राजपुरा माइनर में व्यक्ति का शव गली-सड़ी हालत में मिला। यह शव रिसालियाखेड़ा-रामगढ़ पुल के पास नहर में फंसा हुआ पाया गया। राहगीरों ने पुलिस को तुरंत इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला। मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष बताई जा रही है। पहचान के लिए शव को 72 घंटे तक सिरसा नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। यदि इस अवधि में शव की शिनाख्त नहीं हो पाती है, तो नियमानुसार पोस्टमॉर्टम करवाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। फिलहाल पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।

2 महीने पहले ही करवाई लव मैरिज, अब नवविवाहित का हुआ किडनैप

यमुनानगर : यमुनानगर में दिनदहाड़े एक नवविवाहिता के अपहरण और उसके पति पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। 3 कारों में सवार होकर आए बदमाशों ने नवविवाहित जोड़े के कार रोककर हथियारों से हमला कर दिया और नवविवाहिता को अगवा कर जबरदस्ती कार में अपहरण कर ले गए। वहीं उसके पति पर जानलेवा हमला करने के साथ ही कार में सवार दो बच्चों पर भी हथियार चलाए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अपराध शाखा टीम भी तुरंत बदमाशों की तलाश में जुट गई।नेशनल हाइवे 907 पर ऊर्जनी गांव के पास फिल्मी स्टाइल में एक वारदात सामने आई। जहां नत्थनपुर गांव से कुछ लोग कार में सवार होकर बलौली गांव जा रहे थे। कार में बलौली गांव निवासी मनीष और उसकी पत्नी सबाना भी मौजूद थे जिन्होने करीब 2 महीने पहले ही प्रेम विवाह किया था। सबाना के परिजन हिंदू युवक से शादी करने पर नाराज थे। नवविवाहित जोड़ा काफी समय से अपने रिश्तेदारों के घर नत्थनपुर में रह रहा था। रविवार को मनीष के घर पर कार्यक्रम के चलते वह अपने रिश्तेदारों के साथ कार में सवार होकर अपनी पत्नी को साथ अपने गांव जा रहा था। वहीं इसकी भनक सबाना के परिवार को भी लग गई। तीन कारों में सवार होकर कए बदमाशों ने जबरदस्ती कार रुकवाकर तेजधार हथियारों से कार पर हमला कर चकनाचूर कर दिया और सबाना को जबरदस्ती अपने साथ ले गए और मनीष को गंभीर घायल कर दिया। कार सवार महिला ने बताया कि 2 छोटे बच्चों पर भी हमला हुआ है। सबाना के परिवार वालों ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है।वहीं कार ड्राइवर ने बताया कि अचानक से बदमाशों ने उसकी कार के आगे कारें लगा दी।

जिसके चलते उसे कार रोकनी पड़ी। कार रुकते ही उन कारों में से 15-20 नकाबपोश उतरे और कार पर हथियारों से हमला कर दिया। चंद सैकंड में वह वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। मौके पर पहुंचे डायल 112 के इंचार्ज अरविंदर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। प्राथमिक जानकारी में प्रेम विवाह से नाराज नवविवाहिता के परिजनों पर आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय थाना पुलिस और अपराध शाखा की टीम भी मौके पर झांच कर रही है। बता दें कि सबाना के परिवार वाले हिंदू लड़के से शादी करने पर नाराज थे। जानकारी के मुताबिक वह काफी समय से ऐसी वारदात की ताक में थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हरियाणा की वो 5 खौफनाक हत्याएं, जिनसे दहल गया पूरा प्रदेश...नेता, खिलाड़ी और मासूम तक बने शिकार

हरियाणाः साल 2025 अपने अंतिम पड़ाव पर है और अब नए साल 2026 की शुरूआत होने वाली है। इस बीच, हरियाणा में इस साल हुई कुछ ऐसी वारदातें रहीं, जिन्होंने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया। राष्ट्रीय खिलाड़ी, कांग्रेस नेता, स्कूल टीचर और मासूम बच्चों तक इस साल की कई हत्याओं की खबरों ने लोगों को हैरान कर दिया। आइए जानते हैं 2025 के उन 5 बड़े हत्याकांडों के बारे में, जिन्होंने हरियाणा की जनता को दहला दिया।साइको किलर पूनम ने मासूम बच्चों की जान ली

पानीपत और सोनीपत में इस साल उस वक्त सनसनी फैल गई, जब पूनम नाम की महिला ने अपने ही परिवार की मासूम बेटियों की हत्या कर दी। 3 साल के अपने बेटे को भी उसने मार डाला। 2023 में पूनम ने अपनी ननद की 9 साल की बेटी इशिका को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला था। किसी को शक न हो, इसलिए उसने अपने बेटे को भी हत्या कर दिया। इस साल अगस्त में उसने चचेरे भाई की 6 साल की बेटी जिया की हत्या की और 2025 में 6 साल की भतीजी विधि को बाथटब में डुबोकर मार डाला। सुंदर दिखने वाली बच्चियों से उसे जलन होती थी, जिससे ये हत्याएं हुईं।राष्ट्रीय खिलाड़ी रोहित धनखड़ की बेरहमी से हत्या

रोहतक में राष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियन रोहित धनखड़ की हत्या ने पूरे खेल जगत और जनता को स्तब्ध कर दिया। रोहित अपने दोस्त के साथ एक रिश्तेदार की शादी में शगुन डालने

गए थे। शादी में आए कुछ युवक महिलाओं के साथ छेड़छाड़ कर रहे थे। रोहित ने इसका विरोध किया और इसी बात पर कहासुनी हुई। शादी के बाद रात लगभग 11 बजे, रोहित कार से घर लौट रहे थे। रेलवे क्रॉसिंग के पास 15-20 युवकों ने उन्हें हॉकी स्टिक और लोहे की रॉड से बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। रोहित ने कई राष्ट्रीय पदक जीते थे और वे बॉडीबिल्डर तथा पैरा एथलीट थे।ऑनर किलिंगः भाई ने बहन की जान ले ली रोहतक में एक ऑनर किलिंग का मामला सामने आया। सपना नाम की युवती की शादी के बाद उसके ही भाई ने उसे मौत के घाट उतार दिया। 19 नवंबर को सपना अपने ससुराल में थी और उसके पति सूरज काम पर गए हुए थे। उसके भाई संजू ने तीन साथियों के साथ घर में घुसकर उस पर ताबड़तोड़ 5 गोलियां चला दीं। सपना मौके पर ही जान से चली गई। मामला प्रेम विवाह के चलते हुआ, जिस पर भाई नाराज था। यह हमला CCTV में कैद हो गया, और हमलावर फरार हो गए।स्कूल टीचर मनीषा की हत्या भिवानी में 19 वर्षीय स्कूल टीचर मनीषा की हत्या ने पूरे राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। 11 अगस्त 2025 को मनीषा सिंघानी गांव के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ा रही थीं। इसके बाद वह नर्सिंग कॉलेज में एडमिशन लेने गईं और लापता हो गईं। 13 अगस्त को उनके शव को खेत में पाया गया। गला रेत हुआ था, चेहरे और शरीर पर चोटें थीं। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल की हत्या

हिमानी नरवाल हत्याकांड भी साल 2025 में सबसे चर्चित मामलों में शामिल रहा। 1 मार्च को रोहतक के सांपला बस स्टैंड के पास रोहतक-दिल्ली हाईवे के किनारे 22 वर्षीय हिमानी का शव मिला। उन्हें गला घोंटकर मार दिया गया। हिमानी कांग्रेस की सक्रिय कार्यकर्ता थीं और रोहतक ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष के रूप में काम कर रही थीं। वे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुई थीं और राज्य के कई राजनीतिक कार्यक्रमों में नजर आई थीं।साल 2025 ने हरियाणा को कई दर्दनाक घटनाओं का सामना कराया।

खबर एक्सप्रेस

हरियाणा की पुलिस टीम को कमरे में बंद कर फरार हुआ आरोपी

हरदोईः हरियाणा की पुलिस टीम को ढाबे के कमरे में बंद कर एक करोड़ रुपये की साइबर ठगी का आरोपी भाग निकला। घटना का पता चलने पर बिलग्राम कोतवाली पुलिस के साथ ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना का पता चलने के लगभग पांच घंटे बाद आरोपी को पुलिस टीम ने हिरासत में ले लिया। चरखरी दादरी के रोहतक रोड निवासी देवेंद्र सिंह ने बीती 12 दिसंबर को चरखी दादरी के साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि शेयर मार्केट में रुपये लगवाने के नाम पर उसके साथ 1.12 करोड़ रुपये की ठगी हो गई है। साइबर थाने की टीम ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। इस दौरान महाराष्ट्र के ठाणे जनपद के उन्नति रेजीडेंसी कृष्णा कांप्लेक्स भिवांडी निवासी मनजीत महतो को हरियाणा के साइबर थाने की टीम ने हिरासत में ले लिया। साइबर थानाध्यक्ष संदीप कुमार अपनी टीम के साथ मनजीत को लेकर उसके एक साथी को पकड़ने रायबरेली से बहादुनगर जा रहे थे। दावा है कि शुक्रवार आधीरात के बाद वह लोग बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के उन्नाव कटरा मार्ग स्थित एक ढाबे पर रुके। यहां खाना खाने के बाद टीम और आरोपी ढाबे के एक कमरे में आराम करने लगे। इसी बीच आरोपी मंजीत ने पुलिस टीम को ढाबे के कमरे में ही बंद कर दिया। इसके बाद वह वहां से भाग निकला।

हवा में झूलती बस, नीचे गहरा तालाब...ड्राइवर की सूझबूझ से सवारियां सुरक्षित

कैथल : कैथल के पास पट्टी अफगान के नजदीक रविवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। हरियाणा रोडवेज कैथल डिपो की एक बस पटियाला से कैथल आ रही थी।इसी दौरान अचानक सड़क पर एक बुजुर्ग व्यक्ति बस के सामने आ गए।ड्राइवर ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत ब्रेक लगाई और बस को मोड़कर बुजुर्ग की जान बचा ली। इस दौरान बस का अगला हिस्सा सड़क किनारे स्थित तालाब की दीवार पार कर गई और हवा में झूलती हुई वहीं रुक गई। हादसे के वक्त बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित रहे, जबकि बुजुर्ग को हल्की चोटें आई हैं, जिन्हें अस्पताल में ले जाया गया है। दृश्य देखने में भयावह था, क्योंकि बस का पिछला हिस्सा जमीन पर और अगला हिस्सा हवा में लटक रहा था। अगर ड्राइवर सूझबूझ न दिखाता, तो बस सीधे गहरे तालाब में गिर सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था।

जीएफ द्वारा भाई व दोस्तों संग प्रेमी को अगवा कर पीटने के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

कैथल : पिछले सप्ताह जवाहर पार्क में प्रेम प्रसंग के विवाद से जुड़े अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार और आरोपियों को काबू किया है। तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। इस तरह अब तक सात युवक पुलिस गिरफ्त में आ चुके हैं, जबकि मामले की मुख्य आरोपी युवती अब भी फरार है। पुलिस ने कहा कि उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक गांव सांघन निवासी पीड़ित मनदीप ने 13 दिसंबर को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी चार साल से एक युवती से दोस्ती थी, लेकिन पिछले कुछ समय से अनबन चल रही थी। उसी दिन कैथल बस स्टैंड पर मुलाकात के बाद युवती ने बातचीत के बहाने उसे कोर्ट के पास बुलाया और फिर जवाहर पार्क पहुंचने को कहा। युवक के अनुसार, तभी युवती का भाई अपने साथियों संग वहां पहुंचा और सभी ने मिलकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद युवक को जबरन गाड़ी में बैठाकर अगवा कर लिया गया। रास्ते में भी पिटाई की गई। इसी दौरान आरोपियों ने जातिसूचक शब्द कहे और घटना का वीडियो भी बनाया, ताकि उसे डराया और अपमानित किया जा सके। किसी तरह पीड़ित उनकी गिरफ्त से छूटकर परिजनों तक पहुंचा और पुलिस में शिकायत दे दी। शिकायत के आधार पर युवती सहित आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पुलिस पहले ही सुनील, करण और अमन को गिरफ्तार कर चुकी थी। अब सुमित उर्फ मीतू, साहब सिंह निवासी पाड़ला, राहुल भुक्कल निवासी हंसडेहर और विकास निवासी सौंगल को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में एससी-एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराएं जोड़ी गई हैं। डीसीपी क्राइम सुशील प्रकाश ने कहा कि मुख्य आरोपी युवती को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

एचबीएसई ने किए ये बड़े बदलाव, अब हरियाणा में ओपन स्कूल से 10वीं-12वीं करना होगा आसान

हरियाणा : हरियाणा में विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी आई है। अब ओपन या डिस्टेंस से 10वीं या 12वीं करना आसान होगा। जो बच्चे रेगुलर की पढ़ाई नहीं कर पाते उनके लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने कई बदलाव किए हैं। जिससे की डिस्टेंस एजुकेशन आसान होगी। जिसमें साल में एक नहीं बल्कि 2 बार परीक्षा, पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाना व कक्षाएं लगवाना शामिल हैं। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन प्रो. डॉ. पवन कुमार ने कहा कि हरियाणा ओपन स्कूल (डिस्टेंस एजुकेशन) का उद्देश्य है कि ऐसे विद्यार्थियों या लोगों को साक्षर करना या शिक्षा के अवसर प्रदान करना होता है। जो किन्हीं कारणों से स्कूल नहीं जता सकते हैं। वह कुछ भी कारण हो सकता है। बताया जा रहा है कि नेशनल ऑफ स्कूलिंग के तर्ज व पड़ोसी राज्यों की तरह स्टेट ओपन स्कूल है। उसके आधार पर हरियाणा ओपन स्कूल के स्टड्डी सेंटर खोलने जा रहे हैं। जिसमें ऐसे सभी विद्यार्थी या अभ्यार्थी जो ओपन स्कूल के तहत अपना फार्म भरना चाहेंगे, उनको एक नोडल सेंटर जिला मुख्यालय पर दिया जाएगा। वहीं शिक्षा बोर्ड उन्हें पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध करवाएगा। उनका अलग से साल में 2 बार मई व दिसंबर में परीक्षा ली जाएगी। उसके आधार पर उनका रिजल्ट जारी किया जाएगा। वहीं ओपन स्कूल के विद्यार्थियों का रेगुलर के विद्यार्थियों के साथ ही प्रश्न पत्र का स्तर बनाते हुए परीक्षा ली जाती थी। लेकिन इसको दूसरे एंगल से देखें तो ऐसा विद्यार्थी जो स्कूल ही नहीं गया है और ना ही क्लास अटैंड की है। उसको ऐसा प्रश्न पत्र दे दें जो एक रेगुलर या हर रोज स्कूल आने वाले छात्र को दिया जाए। ऐसे में दोनों के साथ लॉ ऑफ इक्वेलिटी नहीं हैं। ओपन स्कूल का कंसेप्ट (दूरस्थ शिक्षा) का उद्देश्य अवसर प्रदान करना है। यह साक्षरता अभियान के तहत आता है।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर एशेज सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल की

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां खेले गये तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने पास बरकरार रखी है। मैच के अंतिम दिन छह विकेट पर 207 रनों से आगे खेलते हुए इंग्लैंड टीम अपनी दूसरी पारी में 352 रनों पर ही आउट हो गयी जबकि उसे जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य मिला था। इस प्रकार मेहमान टीम इंग्लैंड को 82 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही इंग्लैंड का सीरीज में बराबरी का सपना भी टूट गया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम के बल्लेबाज उम्मीद के अनुरुप नहीं खेल पाये। बल्लेबाज जैक क्राउली ने सबसे अधिक 85 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाये। जेमी स्मिथ 60 के बाद विल जैक्स ने 47 रन और इसके बाद ब्रायडन कार्स ने 39 रन बनाये पर अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने काफी प्रयास किये जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। जेमी स्मिथ एक छोड़ पर जमे हुए थे जिससे मेहमान टीम की उम्मीदें बनी हुई थीं। स्मिथ ने विल जैक्स के साथ मिलकर 91 रन बनाये। इस जोड़ी के टूटने के बाद जैक्स ने ब्रायडन के साथ मिलकर इंग्लैंड की उम्मीदों को बनाये रखा। जैक्स 47 रनों पर आउट हो गए। उनके आउट होते ही फिर इंग्लैंड की पारी ढ़ह गयी। जैक्स और ब्रायडन के बीच 52 रनों की साझेदारी हुई थी।

जैक्स का विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने जोफ्रा आर्चर और जोश टंग का विकेट लेकर मैच जीत लिया। ब्रायडन 39 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क के अलावा नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा स्कॉट बोलेंड ने एक विकेट लिया।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत में एलेक्स कैरी और ट्रेविस हेड की अहम भूमिका रही। कैरी ने पहली जबकि हेड ने दूसरी पारी में शतक लगाकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी।

इससे टीम ने पहली पारी में 371 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा पांच विकेट लिए जबकि ब्रायडन कार्स और विल जैक्स ने 2-2 विकेट लिए वहीं जोश टंग को एक विकेट मिला। वहीं इंग्लैंड की टीम अपनी अपनी पहली पारी में पारी में 286 रन ही बना पाई। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया को 85 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 349 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य दिया था।

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ विश्व टूर के सेमीफाइनल में हारी

हांगझू (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स से बाहर हो गई है। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीता था पर इसके बाद वह अपनी लया बनाये नहीं रख पायी और एक घंटे तीन मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 21-10, 17-21 13-21 से हार गयी। सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में इस चीनी जोड़ी के खिलाफ जीत मिली थी पर सेमीफाइनल में वह इस सिलसिले को बरकारार नहीं रख पाये। चीनी जोड़ी इस बार भारतीय जोड़ी पर भारी पड़ी। मैच के बाद शेट्टी ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने पहले गेम में काफी अच्छी शुरुआत की पर उसे बनाये नहीं रख पाये। । वहीं इससे पहले

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मेलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत के साथ ही बीडब्लयूएफ विश्वटूर के सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम ने मलेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी को एक घंटे से अधिक समय तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इस जीत के साथ ही सात्विक-चिराग सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बन गई है। इस मैच में पहले गेम में हार के बाद भी इस जोड़ी ने जबरदस्त प्रदर्शन कर वापसी की। अब सेमीफाइनल में इस जोड़ी का मुकाबला चीन के लियांग वेइ केंग और वांग चांग से होगा। गौरतलब है कि बीडब्लयूएफ विश्वटूर फाइनल्स साल का सबसे बड़ा बैडमिंटन टूर्नामेंट है, जिसमें हर वर्ग में विश्व के शीर्ष 8 खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसमें ग्रुप स्तर के बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाते हैं।

रोहित ने साहा को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने विकेटकीपर बल्लेबाज विद्धिमान साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिये था। रोहित का मानना है कि साहा देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि उनका तकनीकी कौशल अच्छा है। वह तेज और विविधता भरी गेंदबाजी के खिलाफ एक बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं। उनकी विकेट के पीछे कैच पकड़ने और स्टंपिंग की क्षमता जबरदस्त रही है। साहा ने रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन की गेंदबाजी के सामने भी काफी कठिन कैच लिए हैं। इससे वह भारत का सबसे कुशल विकेटकीपर बनाता है। रोहित न साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें भारत में ऐसा विकेटकीपर कभी नहीं देखा। टेस्ट मैच में गेंद अक्सर घूमती और नीची रहती है पर साहा कभी गलती नहीं करते थे। जडेजा और अश्विन जैसी स्पिनरों के सामने सभी वह आसानी से विकेटकीपिंग करते थे। को सहजता से इससे बाद भी उनकी काफी कम तारीफ हुई है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में साहा ने महेन्द्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत की तरह से काम किया है हालांकि साहा की शैली और तकनीक पारंपरिक रही है। साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 104 शिकार किये हैं। जिनमें 92 कैच और 12 स्टंपिंग्स शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 1,353 रन बनाए, जिनमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 9 एकदिवसीय ही खेले हैं। जहां धोनी तेज से कीपिंग करते थे वहीं साहा शैली में धीमे से अपना कौशल दिखाते हैं।

पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। यहां हुए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पाक टीम ने लीग मुकाबले के दौरान भारतीय टीम के हाथों मिली हार का हिसाब भी बराबर कर दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पाक टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक ने समीर मिन्हास के शानदार शतक से आठ विकेट पर 347 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 348 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ढ़ह गयी और 26.2 ओवर में 156 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान आयुष म्हात्रे 2, जबकि आरोन जॉर्ज 16, वैभव सूर्यवंशी 26, विहान मल्होत्रा 7 और अभिज्ञान कुंडू 13 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद सभी बल्लेबाज दो अंकों में भी नहीं पहुंच पाये। पाकिस्तान की ओर से अली राजा ने 4 विकेट लिए जबकि मोहम्मद सैयम ने 2 विकेट लिए। अब्दुल सुभन ने 2 विकेट और हुजाईफा अहसान ने भी इतने ही विकेट लिए

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हए पाक टीम ने शुरुआत से आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। समीर ने गेंदबाज किशन सिंह और दीपेश देवेंद्रन के खिलाफ तेजी से शॉट खेले। समीर ने 113 गेंदों पर 17 चौके और 9 छक्के लगाकर 172 रन बनाए । समीर के अलावा अहमद हुसैन ने 72 गेंदों पर 56 रन बनाये। भारत की तरफ से दीपेश देवेन्द्रन ने 3 जबकि हेनिल पटेल और खिलान पटेल ने 2-2 विकेट लिए। पाक के हमजा जहूर 18 रन पर आउट हुए। जहूर के आउट होने के बाद उस्मान खान 35 उतरे और मिन्हास के साथ मिलकर 92 रन की भागीदारी करके स्कोर 123 रन तक पहुचाया। टूर्नामेंट में एक शतक और एक अर्धशतक जड़कर अच्छी फॉर्म में चल रहे बाएं हाथ के अहमद हुसैन ने 56 रन की पारी खेली पर बाएं हाथ के स्पिनर खिलन पटेल 44 रन देकर दो विकेट ने मध्यक्रम के इस बल्लेबाज को स्वीप शॉट खेलने के लिए ललचाया जिससे वह मिड-विकेट पर कैच आउट हो गए। उनके और मिन्हास के बीच 137 रन की भागीदारी ने पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने में अहम भूमिका अदा की।

स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के ऑलराउडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है।। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवे टी20 में तेजी से अर्धशतक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, ''हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गये हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गये हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे है।'' स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रुख सतर्क नहीं रहा। जिससे उनकी टीम को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रभाव अलग ही है। अगर आप उन्हें हावी होने का अवसर देते हैं तो ये नुकसानदेह रहेगा। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उनके सामने सतर्क रुख अपना नुकसान उठाया।''

ईशान किशन की वापसी पर गावस्कर ने खुशी जतायी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार का अच्छा प्रदर्शन हाल के दिनों मे ईशान ने किया था उससे उनकी वापसी तय थी। गावस्कर ने कहा, मैं ईशान के लिए बहुत खुश हूं. वह कुछ समय टीम से बाहर रहे पर झारखंड को ट्रॉफी दिलाकर उसने शानदार वापसी की। वहीं गावस्कर ने बल्लेबाज शुभमन गिल को बाहर किए जाने पर हैरानी जतायी पर कहा कि फॉर्म में नहीं होने से उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने कहा, वह अच्छे बल्लेबाज हैं और उनका प्रदर्शन 2024 टी20 विश्व कप के बाद से ही सराहनीय रहा ह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि वह रन नहीं बना पाये कुछ मैचों में उन्हें परेशानी हुई पर फॉर्म आती-जाती है। टी20 में शुरुआत से ही तेज खेलना होता है, अगर लय न हो तो मुश्किल हो जाती है। इसी कारण शायद उन्हें बाहर किया गया है। गावस्कर ने कहा, 'उनका स्वाभाविक खेल टेस्ट क्रिकेट के लिए ज्यादा सही है। वह टी20 में तेज रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं पर वह बहुत अच्छे खिलाड़ी है। हमने यह आईपीएल में भी देखा है, इसलिए टी20 उनके लिए नया प्रारुप नहीं है। गावस्कर ने जितेश को बाहर किये जाने पर दुख जताते हुए कहा, जितेश ने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्हें जितने मौके मिले, वह अच्छे विकेटकीपर साबित हुए। उनके लिए परेशान है पर युवा होने के कारण वह वापसी करेंगे।

वर्ल्ड टेनिस लीग 2025: सुरेश की धमाकेदार सर्व से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने जीता खिताब

बैंगलुरु (एजेंसी)। वर्ल्ड टेनिस लीग 2025 (WTL) ने बैंगलुरु के स्रू कृष्णा स्टेडियम में चार दिनों तक रोमांचक टेनिस का आनंद दिया। फाइनल में भारत के धक्षिणेश्वर सुरेश की शानदार परफॉर्मेंस की मदद से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने AOS ईगल्स को 22-19 से हराकर अपना पहला WTL खिताब अपने नाम किया।

फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स टूर्नामेंट में टेबल के निचले हिस्से में थीं। लेकिन टूर्नामेंट के डायनामिक फॉर्मेट ने उन्हें लय में वापस लाकर फाइनल तक पहुंचाया। दर्शकों से भरे स्टेडियम में क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव और केएल राहुल भी मौजूद थे। इस रोमांचक मुकाबले में टीम ने आखिरी क्षण तक शानदार खेल दिखाया।

धक्षिणेश्वर सुरेश ने ग्रुप स्टेज में सुमित नागल से मिली हार का बदला फाइनल में 7-6 के निर्णायक सेट से चुकाया। 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के छात्र हैं, ने डेनियल मेदवेदेव जैसे बड़े खिलाड़ियों को हराकर खुद को भविष्य के स्टार खिलाड़ी के रूप में पेश किया।

फाइनल में मार्टा कोस्त्युक ने पहले मैच में श्रीवल्ली भामिदिपति को 6-4 से हराकर मावेरिक्स को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि AOS ईगल्स ने मिक्स्ड डबल्स में श्रीवल्ली और गेल मोनफिल्स की मदद से मावेरिक्स को 6-3 से हराकर वापसी की कोशिश की।

लेकिन उनकी वापसी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। निक किर्गियोस और धक्षिणेश्वर सुरेश की जोड़ी ने सुमित नागल और मोनफिल्स को 6-3 से हराकर निर्णायक जीत मावेरिक्स के नाम कर दी। इस शानदार प्रदर्शन के लिए धक्षिणेश्वर को 'मैन ऑफ़ द फाइनल' का खिताब भी मिला।

वर्ल्ड टेनिस लीग, जिसे 'The Greatest Show on Court!' कहा गया है, ने भारतीय दर्शकों को विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का मौका दिया। टूर्नामेंट में AOS ईगल्स, ऑसी मावेरिक्स काइट्स, गेम चेंजर्स फाल्कन्स और वीबी रियल्टी हॉक्स ने भाग लिया। युवा भारतीय खिलाड़ियों जैसे धक्षिणेश्वर सुरेश, श्रिवल्ली, सहजा यमालपल्ली और माया राजेश्वरन ने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलकर सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर पाया।

हॉलैंड ने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया, रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

लंदन। एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (EPL) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था। आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया। हॉलैंड ने इस सत्र में सिटी और नॉर्वे के लिए कुल 28 मैचों में 38 गोल किए हैं। हॉलैंड के प्रीमियर लीग में 104 गोल हो गए, जो रोनाल्डो से एक अधिक है। लिवरपूल ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही टॉटेनहम की टीम को 2-1 से हराया जबकि चेल्सी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद न्यूकैसल के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भारतीय फुटबॉल के लिए फायदेमंद होगा या नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेस्सी का भारत आगमन महज एक भव्य आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए संभावनाओं से भरा अवसर माना जा रहा है। उनकी मौजूदगी से खेल को वैश्विक मंच पर पहचान मिली और युवा खिलाड़ियों में उत्साह भी देखने को मिला। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि क्या यह दौरा भारतीय फुटबॉल के भविष्य में कोई ठोस बदलाव ला पाएगा।

मैच या प्रशिक्षण से बन सकता था दौरा ज्यादा प्रभावी

अगर यह दौरा फुटबॉल के वास्तविक विकास को ध्यान में रखकर होता, तो मेस्सी का भारतीय राष्ट्रीय टीम या किसी स्थानीय क्लब के खिलाफ मुकाबला खेलना ज्यादा सार्थक होता। 1977 में पेले द्वारा मोहन बागान के खिलाफ खेला गया ऐतिहासिक मैच आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा, किसी फुटबॉल अकादमी का दौरा, युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना या वंचित बच्चों से मुलाकात इस यात्रा को खेल और समाज-दोनों के लिए उपयोगी बना सकती थी।

कमजोर दौर से गुजर रहा है भारतीय फुटबॉल

मेस्सी का दौरा ऐसे समय हुआ जब भारतीय फुटबॉल कठिन दौर से गुजर रहा है। नवंबर 2025 की फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष टीम 142वें स्थान पर है। वहीं, इंडियन सुपर लीग (ISL) के भविष्य, ढांचे और स्थिरता को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

खेल से ज्यादा दिखी मार्केटिंग

यह दौरा फुटबॉल से अधिक मार्केटिंग केंद्रित नजर आया। भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखते हुए यह यात्रा इंटर मियामी के प्रचार और अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप को लेकर उत्साह पैदा करने तक सीमित रही। कई ऐसे लोग भी मेस्सी के साथ फोटो खिंचवाने को उत्साहित दिखे, जिनका खेल से सीधा कोई संबंध नहीं था।

क्रिकेट बैट भेंट करना बना चर्चा का विषय

दौरे के दौरान कुछ अजीब दृश्य भी सामने आए। ICC अध्यक्ष जय शाह द्वारा वाला बैट भेंट करना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना। फुटबॉल से जुड़े इस दौरे में क्रिकेट प्रतीकों की मौजूदगी पर सवाल भी उठे।

मजबूत फुटबॉल संस्कृति की दरकार

भारत को एक मजबूत फुटबॉल राष्ट्र बनने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा। इसके लिए माता-पिता का सहयोग, स्कूलों में बेहतर खेल ढांचा और शिक्षा प्रणाली में खेल को पर्याप्त महत्व देना बेहद जरूरी है।

आईएसएल की संरचनात्मक चुनौतियां

आईएसएल के शुरुआती दो सत्र सफल जरूर रहे, लेकिन प्रमोशन और रेलिगेशन सिस्टम की कमी ने प्रतिस्पर्धा को कमजोर किया। साथ ही विदेशी स्ट्राइकरों पर अधिक निर्भरता के चलते भारतीय फॉरवर्ड्स का विकास प्रभावित हुआ, जिसका असर राष्ट्रीय टीम पर साफ दिखता है।

खिलाड़ियों की उपलब्धता और 'इंडियन एरोज़' पहल

राष्ट्रीय टीम के लिए एक और बड़ी समस्या यह है कि क्लब अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों को रिलीज नहीं करते। ऐसे में एआईएफएफ की 'इंडियन एरोज़' पहल अहम साबित हुई, जिसने वैकल्पिक प्रतिभाओं का मजबूत पूल तैयार किया।

भव्य आयोजन, लेकिन सीमित असर

कुल मिलाकर, लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भले ही भव्य, चर्चित और ग्लैमर से भरपूर रहा हो, लेकिन भारतीय फुटबॉल को इससे कोई स्थायी लाभ मिलता नजर नहीं आया। जब तक जमीनी स्तर पर संरचनात्मक सुधार और मजबूत खेल संस्कृति विकसित नहीं होती, तब तक ऐसे बड़े दौरे सिर्फ सुर्खियों और उत्साह तक ही सीमित रहेंगे।

सैमसन का अंदर-बाहर होते रहने पर छलका दर्द

मुम्बई। भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर साबित किया है कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर ही वह बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। सैमसन को शुरुआती चार मैचों में जगह नहीं मिली थी। शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत से हट दिया गया था जिसपर काफी सवाल भी उठे थे। वहीं उनकी टीम में जगह पक्की न होने को लेकर तर्क दिया जाता रहा है कि उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है। शुभमन के चोटिल होने के कारण उन्हें अंतिम मैच में शामिल किय गया। वहीं समय-समय पर सैमसन ने टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी निराशा भी जाहिर की है। इरफान पठान से बातचीत के दौरान सैमसन का दिल् का गुब्बार निकल या। . इस दौरान सैमसन ने कहा कि लगातार अंदर-बाहर होने से उनका हौंसला टूटा है। पठान ने उनसे पूछा, 'आप जब मैच नहीं खेल रहे थे तो मजे के लिए क्या कर रहे थे?' इसके जवाब में सैमसन ने कहा,

'मजे के लिए इंतजार कर रह था बस। आप जानते हो इरफान भाई चयन के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर नहीं सकते हैं। बस ट्रेनिंग करो और खुश रहो, जितना हो सकता है अपनी भागीदारी निभाओ।' वहीं जब पठान ने पूछा कि 'जब आप नहीं खेल रहे थे तो टीम प्रबंधन आपके से क्या बात कर रही थी और कितना बात कर रही थी।' इसपर सैमसपन ने कहा, 'टीम का माहौल बहुत महत्वपूर्ण रहता है। हमारे लीडरशिप ग्रुप में कप्तान सूर्यकुमार और कोच गौतम गंभीर के साथ मेरा बहुत अच्छा संबंध है इसलिए संपर्क हमेशा रहा है। इसपर इरफान ने पूछा कि ऐसे में उम्मीद है कि हम आपको अब लगातार पारी शुरु करते देखेंगे। इसप सैमसन ने हंसते हुए कहा कि ऐसा पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है।

कास्टिंग काउच पर छलका बिग बॉस 19 फेम मालती चाहर का दर्द

बिग बॉस 19 में अपनी मजबूत पर्सनालिटी से लगभग फिनाले में अपनी जगह बना चुकी मालती चाहर अब शो के बाद भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में मालती ने अपने करियर से जुड़ा एक ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के उस काले सच की ओर फिर से ध्यान खींच लिया, जिस पर अक्सर खुलकर बात नहीं होती। मालती ने अपने साथ हुए कास्टिंग काउच को लेकर खुलासा किया है।

जब कास्टिंग काउच का शिकार हुईं मालती

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे एक सीनियर फिल्ममेकर से मुलाकात उनके लिए डरावना अनुभव बन गई। उन्होंने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब वह एक प्रोजेक्ट को लेकर लगातार मीटिंग्स कर रही थीं। मालती के मुताबिक, काम खत्म होने के बाद उन्होंने शिष्टाचार के तौर पर सामने वाले को साइड हग किया, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने उन्हें अंदर तक हिला दिया।

मालती ने क्या कुछ कहा?

इस घटना पर बात करते हुए मालती ने कहा, मैं नाम नहीं लूंगी लेकिन मैंने उसे साइड हग की और उसने मुझे किस करने की कोशिश की। उसने बदतमीजी की और मैंने उसे सूत-समेत वापस दिया। तो मेरे साथ ये पहली घटना थी जो हुई। ये एक डायरेक्टर थे। वो बहुत उम्रदराज थे और मैं हैरान रह गई कि ये आखिर हुआ क्या। मालती ने बताया कि सीनियर फिल्ममेकर को इस तरह से हरकत करते देखना हैरानी भरा था। कुछ सेकंड तक उन्हें समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन उन्होंने तुरंत खुद को संभाला और वहां से दूरी बना ली। मालती का कहना है कि वह उस शख्स को एक सम्मानित और पिता तुल्य मानती थीं, इसलिए इस तरह के व्यवहार की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

सभी को सतर्क रहने की दी सलाह

मालती ने इंटरव्यू में ये भी स्वीकार किया कि कास्टिंग काउच जैसी घटनाएं इंडस्ट्री में आज भी होती हैं। उनके मुताबिक, कई बार लोग सामने वाले की बॉडी लैंग्वेज और नेचर को पढ़कर अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश करते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि ज्यादातर लोग सीमाएं समझते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो लाइन क्रॉस कर जाते हैं। बिग बॉस 19 की बात करें तो यह सीजन दर्शकों के बीच काफी चर्चा में रहा। शो का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हुआ, जिसमें गौरव खन्ना ने ट्रॉफी अपने नाम की। फरहाना भट्ट रनर-अप रहीं, जबकि प्रणीत मोरे दूसरे रनर-अप बने। मालती चाहर ने भी शो में टॉप 6 तक का सफर तय किया था।

सही समय पर बन रही है कॉकटेल 2

कृति सेनन मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की लीडिंग एक्ट्रेस में शामिल हैं। वो लगातार बड़ी फिल्मों का हिस्सा बन रही हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' ने भी बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ऊपर की कमाई की। अब अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग से जुड़े किस्सों को साझा किया। साथ ही अपने साथी कलाकारों शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना को लेकर भी बात की।

कृति ने की शाहिद और रश्मिका की तारीफ

कॉकटेल 2 के अपने को-एक्टर्स शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के बारे में भी कृति ने बात की। उन्होंने कहा कि शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ शूटिंग करना बहुत मजेदार रहा। निर्देशक होमी अदजानिया तो बिल्कुल पागल हैं। उनकी मस्ती ही हम सबको एक मजेदार सफर पर ले जाती है। 'कॉकटेल 2' में कृति शाहिद के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) के बाद दूसरी बार काम कर रही हैं। शाहिद को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि वह कहते हैं, आपसे एक इंसान के तौर पर मिलकर अच्छा लगा। आपको इंसान न होने की वजह से बंधे रहने की जरूरत नहीं है।

मैं कुछ मजेदार और ताजा करना चाहती थी

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर बात करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही प्यारी फिल्म है। मुझे लगता है कि कभी-कभी जीवन में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे कोई न कोई कारण होता है। तेरे इश्क में एक इंटेंस और इमोशनली थका देने वाली फिल्म थी। मुझे लगता है कि मैं तुरंत कोई और इंटेंस फिल्म नहीं कर सकती थी। मुझमें वह क्षमता नहीं थी। मैं पूरी तरह से थक चुकी थी। मैं कुछ मजेदार, ताजा, कुछ ऐसा करना चाहती थी जो मैंने पहले कभी नहीं किया हो, कुछ ऐसा जिसका मैं आनंद ले सकूं।

अभिनेत्री श्रीलीला ने एआई के दुरुपयोग पर जताई नाराजगी

सोशल मीडिया पर एआई का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। एक तरफ यह तकनीक जीवन को आसान बना रही है, तो दूसरी ओर इसके गलत इस्तेमाल से कई लोगों की छवि को भी नुकसान पहुंचाया गया है। इसकी चपेट में मनोरंजन जगत के सितारे भी पीछे नहीं हैं। डीप फेक कंटेंट से परेशान कई सेलेब्स ने इसको लेकर आवाजें भी उठाई हैं। इसी कड़ी में साउथ सिनेमा की अभिनेत्री श्रीलाला ने नाराजगी जताते हुए बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने सभी से निवेदन किया कि बढ़ते एआई फेक वीडियो या किसी भी प्रकार के कंटेंट का समर्थन न करें। उन्होंने लिखा, मैं हाथ जोड़कर सभी से निवेदन करती हूं कि कृपया एआई द्वारा बनाई गई गलत और फेक चीजों का समर्थन न करें। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और उसका दुरुपयोग करने में जमीन-आसमान का फर्क है। मेरी नजर में टेक्नोलॉजी का उद्देश्य जिंदगी को आसान बनाना है, न कि उसे और भी ज्यादा मुश्किल करना। उन्होंने आगे लिखा कि दुनिया की हर लड़की किसी की बेटी, बहन, पोती या दोस्त होती है, भले ही वह फिल्म इंडस्ट्री में काम क्यों न कर रही हो। हम सब एक ऐसे माहौल में काम करना चाहते हैं, जहां पर खुशी फैले और हर कोई सुरक्षित महसूस करे। श्रीलीला ने खुलासा किया कि व्यस्त शेड्यूल की वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर चल रही बातों की जानकारी देर से प्राप्त हुई। इसी के साथ अभिनेत्री ने अपने फैंस और शुभचिंतकों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें अलर्ट किया। अभिनेत्री ने लिखा, मैं हमेशा बातों को हल्के में लेकर अपनी दुनिया में मस्त रहती आई हूं, लेकिन यह सब बहुत परेशान करने वाला और दुखद है। मैं देख रही हूं कि मेरे कई सहकलाकार भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। मैं सभी की तरफ से यह बात रख रही हूं। अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, सम्मान और गरिमा के साथ, मैं अपने फैंस पर भरोसा रखते हुए, सभी से निवेदन करती हूं कि कृपया हमारा साथ दें।

तस्करों की कहानी लेकर आ रहे नीरज पांडे, इमरान हाशमी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

'स्पेशल ऑप्स' जैसी सीरीज और 'स्पेशल 26' व 'ए वेड्नेसडे' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक नीरज पांडे एक नई सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में इमरान हाशमी और शरद केलकर जैसे सितारे नजर आएंगे। सीरीज की घोषणा हो गई है। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। आज सीरीज की घोषणा करते हुए मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सीरीज की शूटिंग के दौरान की झलक देखने को मिलती है। जिसमें निर्देशक नीरज पांडे डायरेक्शन करते नजर आते हैं। साथ ही इमरान हाशमी और शरद केलकर समेत सीरीज की स्टारकास्ट अलग-अलग सीन में नजर आती है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि यह सीरीज एक्शन-सस्पेंस-थ्रिलर होने वाली है। अनाउंसमेंट वीडियो में इमरान हाशमी कस्टम ऑफिसर की यूनिफॉर्म में नजर आते हैं। जबकि शरद केलकर अलग-अलग अंदाज में दिखते हैं। फिलहाल अभी तक कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

अपनी पहली फिल्म को इसलिए भूलना चाहती हैं राधिका आप्टे

राधिका आप्टे ने फिल्म वाह! लाइफ हो तो ऐसी (2005) में एक छोटे रोल से बड़े पर्दे पर एक्टिंग की शुरुआत की। बॉलीवुड इंडस्ट्री में उन्हें 20 साल हो चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि वह अपनी पहली फिल्म को भूलना चाहती हैं क्योंकि प्रोड्यूसर ने उनके साथ अजीब व्यवहार किया था। बातचीत में राधिका आप्टे ने खुलासा करते हुए बताया प्रोड्यूसर ने मुझे हौसला नहीं दिया, उन्होंने मुझे मेहनताना भी नहीं दिया। जब मेरी मां और मैंने कॉन्ट्रैक्ट साइन करने के लिए कहा, तो प्रोड्यूसर ने कहा कि उर्मिला मातोंडकर ने भी कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट साइन किया या नहीं लेकिन उन्होंने मेरे साथ अजीब व्यवहार किया। इसलिए मैं अपनी पहली फिल्म भूलना चाहती हूं क्योंकि उस फिल्म का प्रोडक्शन बहुत अजीब था।

वाह! लाइफ हो तो ऐसी को अपनी फिल्मों में नहीं गिनतीं

राधिका आप्टे ने आगे बताया कि फिल्म के डायरेक्टर महेश मांजरेकर ने उन्हें ब्रेन सर्जन नाम के एक नाटक में देखा था। इसलिए वह उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे। वाह! लाइफ हो तो ऐसी में काम करने के बाद राधिका कॉलेज पूरा करने वापस चली गईं। कई वर्षों के बाद वह फिल्मों में वापस आईं। उनका कहना है कि वह उस फिल्म को अपनी फिल्मों में नहीं गिनतीं।

खुद को एक चैलेंज देने के लिए फिल्मों और ओटीटी पर आई

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा अब छोटे पर्दे से ज्यादा फिल्मों और ओटीटी पर ध्यान दे रही हैं। हाल ही उनकी द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली फिल्म भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है।

पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने छोटे पर्दे पर कितनी मोहब्बत है और कुछ तो लोग कहेंगे से खूब नाम कमाया। अनुभव सिन्हा की फिल्म भीड़ में विधि के उनके किरदार की खूब तारीफ हुई। इसी तरह ओटीटी पर तांडव जैसी वेब सीरीज में भी उनके काम की खूब सराहना हुई। बरेली में पैदा हुई कृतिका उन कलाकारों में से है, जिन्होंने टीवी, फिल्मों और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, तीनों पर अपनी धमक दिखाई है। इन दिनों वह ओटीटी पर रिलीज अपनी नई फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर कृतिका कामरा अक्सर अपने घूमने-फिरने और खाने-पीने से जुड़े फोटोज-विडियोज शेयर करती रहती हैं।

ट्रैवल के दौरान अलग जोश होता है

खाने के साथ ही कृतिका घूमने की भी शौकीन हैं। वह कहती हैं, ऐसा नहीं है कि मैं कुछ खाने के लिए ही ट्रैवल प्लान करूंगी। मगर हां, अगर मैं कहीं जा रही हूं तो मेरे पास पहले से ही लिस्ट होती है कि मुझे फलाना जगह जाकर ये खाना है, वहां का रिजर्वेशन कर लूंगी। मेरे साथ यह भी होता है कि जैसे कभी किसी खास जगह के ट्रिप पर मुझे जाना होता है, लेकिन प्लान फेल हो जाता है। मैं तीन-चार बार अमेरिका जाने का प्लान बना चुकी हूं, लेकिन हर बार किसी ना किसी वजह से प्लान धरा का धरा रह जाता था। हालांकि फिर कुछ साल बाद मैं वहां गई और कुछ रेस्टोरेंट में जाकर मैंने वहां का स्वाद लिया। (हंसते हुए) ट्रैवल करते वक्त मेरे अंदर एक अलग जोश आ जाता है सोशल मीडिया के लिए, जो बाकी वक्त सो रहा होता है।

हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है

कृतिका इन दिनों अपनी फिल्म द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। वह कहती हैं, हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है, क्योंकि ये एक हिंदुस्तानी फैमिली है। हमारे यहां यह खास बात है कि हम परिवार को बहुत ऊंचा दर्जा देते हैं। इसकी हम बहुत इज्जत भी करते हैं। ऐसा ही कुछ मेरे किरदार बानी के साथ भी है। इस फिल्म के अंदर मेरी एक डेड लाइन है, पर मेरी फैमिली मुझे अकेला नहीं छोड़ रही है। वैसे तो मैं अकेले रहती हूं पर मेरे घर में सुबह से ही घंटी बजनी शुरू होती है। जब-जब घंटी बजती है, परिवार का कोई एक सदस्य वहां आ जाता है और अपनी प्रॉब्लम लेकर बैठ जाता है। लगभग पूरा ही परिवार मेरे घर में है और हमारे पास सॉल्व करने के लिए बहुत सारी समस्याएं हैं।

जिस काम में जल्दी हो उसी में दिक्कतें आने लगती हैं

जब किसी काम की डेडलाइन पास में हो तो कुछ ना कुछ उथल-पुथल वाली चीजें होती रहती हैं। कृतिका के साथ भी क्या ऐसा कुछ होता है? वह कहती हैं, ऐसा होता ही है कि जब आपको कोई चीज तुरंत करनी होती है, तो सारी बाधाएं उस दिन आएंगी। मेरे साथ जो सबसे कॉमन चीज होती है, वो यह है कि अगर मुझे कहीं पहुंचना है और मैं निकलते हुए लेट हो जाऊं, उसके बाद एक के बाद एक सब कुछ गलत होता जाता है। जैसे टाइम पर लिफ्ट नहीं आएगी, गाड़ी के सामने बार-बार रेड लाइट आएगी, कभी टायर पंचर हो जाता है। तब लगता है कि जो चीज आप जल्दी से करना चाहो तो पूरी कायनात उस चीज के लिए रुकावटें खड़ी करने में लग जाती है। हालांकि, शाहरुख की फैन हूं तो मैं ऐसा नहीं मानती हूं।

एक्टर प्लेटफॉर्म को महत्व नहीं देते

टीवी से ओटीटी में आने का निर्णय लेना कृतिका कामरा के लिए कितना बड़ा कदम रहा है, इस सवाल के जवाब में वह कहती हैं, मैंने टीवी पर बहुत साल काम किया। मेरे जीवन में और सीखने के लिहाज से टीवी ने काफी अहम रोल अदा किया। जब मैंने छोटे पर्दे पर बहुत साल काम कर लिया था, तब मैं एक ऐसे पॉइंट पर पहुंच चुकी थी, जब मुझे लगने लगा था कि मुझे खुद को एक चैलेंज देना है, कुछ नया करना है, मुझे एक नई दिशा में देखना होगा। तब मैंने फिल्म और वेब शोज के लिए ऑडिशन देना शुरू किया। लेकिन एक्टर के दिमाग में इतना अंतर नहीं होता है कि वह किस मीडियम में काम कर रहा है। मैं कभी ये नहीं देखती कि ओटीटी पर काम करूंगी तो मुझे कौन-सी ऑडियंस मिलेगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।